राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 70 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,10 सितम्बर 2021 , मूल्य रु. 1.50

कटरा से पैदल वैष्णो देवी मंदिर पहुंचे राहुल गांधी

जम्मू, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 2 दिन के दौरे पर गुरुवार को जम्मू पहुंचे। इसके बाद वे 14 किलोमीटर पैदल चलकर श्री माता वैष्णो देवी के दरबार पहुंचे। यहां मंदिर के मुख्य पुजारी की उपस्थिति में उन्होंने मां वैष्णो के दर्शन किए। शुक्रवार को राहुल जम्मू में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं, पूर्व विधायकों, पूर्व मंत्रियों से मिलेंगे। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुलाम अहमद मीर ने कहा कि राहुल गांधी की पवित्र मंदिर में विशेष आस्था है और वह पिछले कई सालों से वैष्णो देवी मंदिर जाना चाहते थे। लेकिन राजनीतिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि यहां आ पाएं। अब स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है तो वे आए हैं।

आयकर रिटर्न भरने की तिथि तीन महीने बढ़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मूल्यांकन वर्ष 2021-22 के लिए आयकर रिटर्न भरने की अंतिम तिथि को तीन बढ़ाकर 31 दिसंबर 2021 कर दिया है। सीबीडीटी ने गुरुवार को बयान में कहा कि करदाताओं और अन्य हितधारकों को आयकर रिटर्न दाखिल करने में आ रही कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए रिटर्न भरने की अंतिम तिथि को 30 सितंबर 2021 से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2021 कर दिया गया है। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार की ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तिथियां भी बढ़ाई गई है। आमतौर पर आयकर रिटर्न भरने की अंतिम तिथि 31 जुलाई होती है लेकिन इस वर्ष नए पोर्टल को शुरू करने के दिन सात जून से ही इसमें कठिनाइयां आ रही हैं।

बीएचयू में हिन्दी में भी होगी इंजीनियरिंग पढ़ाई

वाराणसी, (एजेंसी)। बनारस हिन्दू विवि (बीएचयू) हिन्दी में भी इंजीनियरिंग पढ़ाएगा। नए सत्र से विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग छात्रों को हिन्दी में पढ़ाई का विकल्प उपलब्ध कराने जा रहा है। इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शुरुआती दौर में इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष के छात्रों को हिन्दी में पढ़ाई का विकल्प चुनने की सुविधा होगी। बाद में आगे के वर्षों में इसे विस्तार दिया जाएगा। बीएचयू हिन्दी में इंजीनियरिंग का विकल्प देने वाला देश का पहला संस्थान होगा। आईआईटी बीएचयू के निदेशक और राजभाषा समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन ने हिन्दी में इंजीनियरिंग शुरू किए जाने की पुष्टि की है।

ब्रिक्स देशों ने आतंकवाद के खिलाफ जंग पर जताई सहमति

नई दिल्ली घोषणा पत्र मंजूर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को ब्रिक्स देशों का सम्मेलन हुआ। वर्चुअल तरीके से हुए इस सम्मेलन में आतंकवाद पर चर्चा की गई है। ब्रिक्स देशों ने नई दिल्ली घोषणा पत्र को मंजूर किया है। इसके अलावा आतंकवाद के खिलाफ जंग पर सहमति भी बनी है।

इस सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने अफगानिस्तान का मुद्दा उठाया। 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं।

काउंटर टेररिज्म एक्शन प्लान तैयारः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काउंटर टेररिज्म एक्शन प्लान का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि यह पहली बार हुआ है जब ब्रिक्स ने मल्टीलिटरल सिस्टम की मजबूती और सुधार पर एक पोजिशन लिया है। पीएम ने कहा कि ब्रिक्स ने काउंटर टेररिज्म एक्शन प्लान को अडॉप्ट किया है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले डेढ़ दशक में ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। आज हम विश्व की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक प्रभावकारी आवाज है। विकासशील देशों की प्राथमिकताओं पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए भी यह मंच उपयोगी रहा है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि ब्रिक्स अगले 15 वर्षों में और परिणामदायी हो।

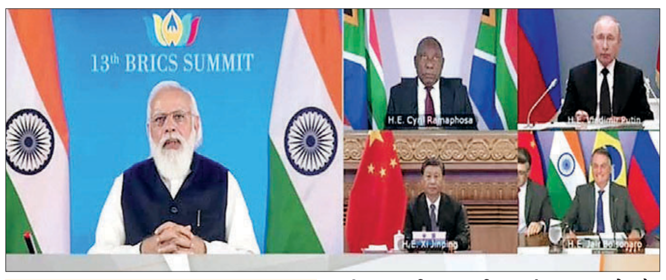

खास बातें

- ब्रिक्स विश्व की उभरती अर्थव्यवस्था के लिए आज एक प्रभावशाली आवाज है।
- ब्रिक्स देशों के जल संसाधन मंत्रियों की पहली बैठक नवंबर में होगी।

अफगानिस्तान से अमेरिका के जाने से पैदा हुआ नया संकटः ब्रिक्स सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि अफगानिस्तान से अमेरिका के जाने से नया संकट पैदा हो गया है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के सामने सुरक्षा की चुनौतियां हैं।

क्या है ब्रिक्स ग्रुप, इसमें कौन-कौन शामिल हैं?

ब्रिक्स पांच देशों ब्राजील, रूस, इंडिया, चाइना, साउथ अफ्रीका का एक ग्रुप है। यह 2011 में बना था। इस ग्रुप को बनाने का मकसद वेस्टर्न कंट्रीज के इकोनॉमिक और पॉलिटिकल दबदबे का मुकाबला करना है। ब्रिक्स ने वॉशिंगटन में मौजूद इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड और वर्ल्ड बैंक के मुकाबले अपना खुद का बैंक बनाया है।

13वीं ब्रिक्स समिट का आयोजक है भारत

भारत इस बार सम्मेलन का आयोजक है और प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी अध्यक्षता की। समिट में ब्राजील के राष्ट्रपति बोल्सोनारो, रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा शामिल हुए। इस बार समिट की थीम ब्रिक्स15 : इंट्रा-ब्रिक्स कोऑपरेशन फॉर कंटीन्यूटी, कॉन्सोलिडेशन एंड कॉन्सेंसस रखी गई है।

गुरमीत सिंह उत्तराखंड और रावी तमिलनाडु के गवर्नर

बनवारी लाल पुरोहित को पंजाब का राज्यपाल बनाया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कई राज्यों में गुरुवार रात नए राज्यपालों की नियुक्ति की गई है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्या का इस्तीफा गुरुवार को स्वीकार कर लिया और लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह को राज्य के राज्यपाल की कमान सौंपी है।

बेबी रानी मोर्या का इस्तीफा स्वीकार

श्री कोविंद ने सुश्री मौर्या का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उनकी जगह ले. जनरल गुरमीत सिंह को यह जिम्मा सौंपा है। राष्ट्रपति ने तमिलनाडु के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को पंजाब का नियमित राज्यपाल नियुक्त किया है। अभी तक श्री पुरोहित पंजाब के राज्यपाल का प्रभार संभाल रहे थे। नगालैंड के राज्यपाल आरएन रवि का तबादला तमिलनाडु किया गया है, जो श्री पुरोहित का स्थान लेंगे। असम के राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी नागालैंड के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।

बंगाल-तमिलनाडु सहित पांच राज्यों में छह सीटों पर उपचुनाव का एलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित पांच राज्यों में राज्यसभा की छह सीटों पर उपचुनाव का एलान कर दिया है। इन पांच राज्यों में तमिलनाडु की दो और प. बंगाल, असम, महाराष्ट्र और मप्र में एक-एक सीट शामिल है। इन सीटों पर चार अक्टूबर को मतदान होना है। इसी दिन शाम नतीजे भी आ जाएंगे। इसके साथ ही बिहार में विधानसभा परिषद की सीट के लिए उपचुनाव भी चार अक्टूबर को होंगे। और 4 अक्टूबर को ही पुडुचेरी की राज्यसभा की एक सीट के लिए भी वोटिंग होगी। प.बंगाल में मानस रंजन भुनिया, असम के बिस्वजीत दैमारी, तमिलनाडु के केपी मुनुसामी व थिरु आर वैथिलिंगम ने इस्तीफा दे दिया। बीजेपी सांसद थावरचंद गहलोत ने भी इस्तीफा दे दिया और उन्हें राज्यपाल नियुक्त किया गया है। महाराष्ट्र में कांग्रेस सांसद राजीव सातव के निधन से यह सीट खाली हुई थी।

ममता के खिलाफ भाजपा से ताल ठोकेंगी प्रियंका

ममता आज भरेंगी नामांकन

कोलकाता, (एजेंसी)। भवानीपुर सीट से शुक्रवार को ममता बनर्जी नामांकन करने जा रही हैं। इस सीट से टीएमसी के शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने जीत दर्ज की थी। नंदीग्राम से ममता बनर्जी के हारने पर शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने अपनी सीट से त्यागपत्र दे दिया था। वो उपचुनाव में खड़दह सीट से चुनाव लड़ेंगे।

भवानीपुर से ममता बनर्जी दो बार पहले भी जीत चुकी हैं। वहां उन्हें भाजपा की प्रियंका टिबड़ेवाल से कड़ी चुनौती मिल सकती है। माकपा ने यहां पहले ही पेशे से अधिवक्ता श्रीजीव विश्वास को ममता बनर्जी के खिलाफ उम्मीदवार बना दिया है। भाजपा भी अब लोकप्रिय महिला चेहरा तथा अधिवक्ता प्रियंका टिबड़ेवाल को उनके खिलाफ उतारने की तैयारी कर रही है। पार्टी सूत्रों ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की है। जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा की जा सकती है।

दूसरी लहर खत्म नहीं हुई

केरल में कोरोना के एक्टिव केस दो लाख से अधिक

नई दिल्ली, (एजेंसी) । केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने गुरुवार को बताया कि देश में कोरोना के मामले कम हुए हैं, लेकिन दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है। हम कोरोना की दूसरी लहर के मध्य में हैं, इसलिए लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है।

भूषण ने बताया कि देश में कुल मामलों का 68 प्रतिशत नए मामले केरल से आ रहे हैं। फिलहाल देश में 38 जिले ऐसे हैं, जहां 100 से ज्यादा मामले आ रहे हैं। वहीं हॉट-स्पॉट में भी गिरावट आ रही है। देश में एक्टिव मामले 3 से 4 लाख के बीच हैं और कोरोना महामारी से ठीक होने की दर 97 प्रतिशत से अधिक है। एक ही राज्य केरल में एक्टिव मामले दो लाख से अधिक हैं जो देश का 61 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में एक्टिव मामले 50 हजार से अधिक हैं, जो कुल मामले का 13 फीसदी है।

- देश में 24 घंटे में 24,042 संक्रमित, 24,005 स्वस्थ, 263 मौतें
- कुल एक्टिव केस 3,86,793

राज्यों का हालः भूषण ने बताया कि देश में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कोरोना के सक्रिय मामले 10 हजार से 50 हजार के बीच हैं। देश में साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर 10 हफ्ते से तीन प्रतिशत से कम रही है। 35 जिलों में साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर 10 प्रतिशत से अधिक है। 30 जिलों में यह दर 5 प्रतिशत से अधिक है, जो चिंता की बात है।

54 करोड़ लोगों को पहला डोज लगाः देश के 54 करोड़ लोगों को कोरोना रोधी टीके की पहली डोज दी जा चुकी है और 17 करोड़ से ज्यादा लोगों को दूसरी डोज दी जा चुकी है।

देश में कोरोना का खतरा बरकरार, डेंगू और वायरल बुखार की लहर में कई राज्य

नई दिल्ली। एक ओर कोरोना का खतरा बरकरार है तो दूसरी ओर देश के कई राज्य डेंगू और वायरल बुखार की लहर से हलकान हैं. उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के कई जिले जानलेवा बुखार की चपेट में हैं. अस्पतालों में बेड फुल हो गए हैं. इलाज का फिर वही संकट देखने को मिल रहा है, जैसा कोरोना की दूसरी लहर के वक्त दिख रहा था. ऐसे में सवाल ये उठता है कि जब सरकारें कोरोना की तीसरी लहर की तैयारी कर रही हैं या फिर तैयारी होने का दावा कर रही हैं, तो फिर हालात ऐसे क्यों हो गए हैं.

वायरल बुखार की लहर से सबसे ज्यादा प्रभावित यूपी का फिरोजाबाद है. यहां के गांव नगला गोकुल और मुस्ताबाद में 10-12 दिन में 5 बच्चों की मौत हो चुकी है. 100 से ज्यादा बच्चे अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं और दर्जनों ऐसे हैं जिनका इलाज मजबूरी में गांव में ही चल रहा है, क्योंकि प्राइवेट अस्पताल का इलाज उनके घरवालों की पहुंच के बाहर है और फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज में उनकी सुनवाई नहीं है.

पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों से शुरू हुई थी डेंगू और वायरल फीवर की लहर -बुखार के पीछे ज्यादातर डेंगू होना वजह है, जिसके लिए एक ओर जहां लोगों की लापरवाही जिम्मेदार है, तो दूसरी ओर प्रशासन का लचर रवैया भी जिम्मेदार है. डेंगू और वायरल फीवर की लहर फिरोजाबाद समेत पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों से शुरू हुई थी, लेकिन अब सूबे के करीब एक दर्जन जिलों में जानलेवा बुखार का कहर बरप रहा है. अस्पतालों में मरीज और उनके तीमारदारों का अंबार लग गया है. सबसे ज्यादा प्रभावित बच्चे हो रहे हैं, लेकिन बड़े भी चपेट में आ रहे हैं.

आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंची, तो वहां भी बच्चों के साथ-साथ बड़े भी बीमार मिले. इन्हें दिखाने के लिए या भर्ती कराने के लिए लंबी-लंबी लाइन दिखी. अंदर पहुंचे तो वार्ड में मरीजों से भरे बेड दिखाई पड़े. आगरा के एस एन मेडिकल कॉलेज में हर गुजरते दिन के साथ मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है और ज्यादातर मरीज गंभीर हालत में पहुंच रहे हैं. बुखार का कहर सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश और बिहार में भी बरपा है.

बिहार में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और छपरा में सरकारी अस्पतालों में बेड फुल हो गए हैं. मुजफ्फरपुर में 102 बेड वाले पीकू वार्ड में 145 बच्चों का इलाज चल रहा है. वायरल बुखार के मामले मध्य प्रदेश में भी तेजी से बढ़ रहे हैं.

केंद्र सरकार के रिटायर्ड कर्मियों को तोहफा

28 फीसदी के हिसाब से मिलेगा डीए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अपने रिटायर्ड कर्मियों को वित्तीय लाभ देने की घोषणा की है। इनमें वे कर्मचारी शामिल हैं, जो एक जनवरी 2020 और 30 जून 2021 के बीच रिटायर हुए हैं। इन कर्मियों की ग्रेच्युटी और अर्जित अवकाश का भुगतान, जो कि सेवाकाल पूरा होने के बाद एक बार ही मिलता है, सरकार ने उसे सहानुभूति पूर्ण नजर से देखते हुए यह निर्णय लिया है कि उपरोक्त लाभों की गणना बढ़े हुए डीए के अनुसार की जाए। सरकार ने उक्त अवधि के दौरान रिटायर हुए कर्मियों को तीन श्रेणियों में बांटा है। इसके तहत डीए की दर कर्मियों के बेसिक वेतन का 21 फीसदी, 24 फीसदी और 28 फीसदी रहेगी। 2020 में केंद्र ने कोविड-19 की आड़ लेकर सरकारी कर्मियों और पेंशनरों के डीए-डीआर पर रोक लगा दी थी।

अभियान काबुल से 200 विदेशी नागरिकों को लेकर दोहा पहुंचा कतर का विमान

तालिबान की अगुआई में पहली निकासी फ्लाइट

काबुल, (एजेंसी)। अगस्त में अमेरिका और उसके सहयोगियों के सैनिकों की वापसी के बाद गुरुवार को करीब 200 विदेशी नागरिकों को लेकर पहला विमान काबुल से उड़ा। इस विमान में कई अमेरिकी नागरिक भी थे। इसे अमेरिका और अफगानिस्तान की नई सरकार के बीच बने तालमेल का नतीजा माना जा रहा है।

तालिबान नेताओं ने कहा था कि विदेशी नागरिकों और वैध दस्तावेजों के साथ अफगान नागरिकों को विदेश जाने दिया जाएगा लेकिन जब कई दिन काबुल एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू नहीं हुई तो अंतरराष्ट्रीय जगत को शंका पैदा होने लगी।

गुरुवार को 30 अगस्त के बाद पहली बार कतर एयरवेज के विमान से यात्री दोहा पहुंचे। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया है कि ग्रीन कार्ड होल्डर अमेरिकी नागरिकों के अलावा जर्मनी, हंगरी व कनाडा के नागरिक इस विमान में थे।

मानवीय संकट को कम करने एकजुट होः ब्लिंकन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सहयोगी देशों और भागीदारों से अफगानिस्तान में मानवीय संकट को कम करने और आतंकवाद के खिलाफ तालिबान को जवाबदेह ठहराने के प्रयास में एकजुट होने का आहवान किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि एंटनी ब्लिंकन और जर्मन विदेश मंत्री हेइको मास ने सहयोगियों और भागीदारों के साथ अफगानिस्तान पर एक मंत्रिस्तरीय बैठक की मेजबानी की।

भारतीय वायुसेना को मिला नया गेमचेंजर हथियार, एक समय में 16 टारगेट और 70 किलोमीटर दूर से ही ढेर कर देगा दुश्मन का लड़ाकू विमान

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना को मीडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल की पहली यूनिट मिल गई है. भारतीय वायुसेना के 2204 स्कवॉड्रन एयरफोर्स की पहली स्कवॉड्रन बन गई है जिसमें रूरू यानी मिडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल आधिकारिक तौर पर शामिल कर लिया गया. डीआरडीओ और इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्री ने मिलकर इसे डिवेलप किया है. जैसलमेर में एक कार्यक्रम में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वायुसेना को इस सिस्टम की चाबी सौंपी.

यह डिफेंस सिस्टम दुश्मन के एयरक्राफ्ट और गाइडेड हथियार से अपने इलाके की और फोर्स की रक्षा करने में पूरी तरह से सक्षम है. यह सिस्टम डेडिकेटेड रडार के सपोर्ट से अकेले फायरिंग यूनिट की तरह ऑपरेट कर सकता है. खतरा चाहे ट्रेडिशनल हो या फिर एडवांसड, ये सिस्टम बहुत जल्दी से रिएक्ट कर दुशमन के ख़तरे को नष्ट कर सकता है. यह सिस्टम एक ही वक्त में दुश्मन के अलग अलग 16 टारगेट पर 24 मिसाइल दाग सकता है. ये एक सुपरसोनिक मिसाइल हैं और इसमें एक एसा सीकर से लैस है यानी दुश्मन को ढूंढकर उसे नष्ट कर देता है.

दुश्मन के एयरक्राफ्ट को 110 किमी देर से मार गिराने में सक्षम- इसकी रेंज 70 किलोमीटर तक है लेकिन यह दुश्मन के एयरक्राफ्ट को 110 किलोमीटर तक भी निशाना बना सकती है. ये एक मोबाइल वर्टिकल लांचर है और कम समय में किसी भी जगह पर इसे तैनात किया जा सकेगा. इस सिस्टम की एक बैटरी में तीन लांचर है और हर लांचर में 8ट्यूब है और एक बार सभी मिसाइल लांच होने के बाद महज़ कुछ समय में ही इसे फिर से रीलोड भी किया जा सकता है. भारतीय वायुसेना को ऐसे कुल 18 फायरिंग यूनिट लिए जाने हैं.

इस मौक़े पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमा पार से आने वाले किसी भी खतरे को एक बार में ही नष्ट कर दिया जाएगा. ये मिसाइल सिस्टम हमारी एयर डिफेंस सिस्टम में एक गेम चेंजर साबित होगा. ऐसा मेरा विश्वास है. एयरफोर्स ने इस मिसाइल का इंडक्शन, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदमों का भी एक बड़ा उदाहरण है.

अब समुद्र में दुश्मनों की मिसाइल पर होगी भारत के 'ध्रुव' की पैनी नजर

भारत 10 सितंबर को पहला मिसाइल ट्रैकिंग शिप 'ध्रुव' लॉन्च करेगा. परमाणु और बैलेस्टिक मिसाइन को ट्रैक करने वाला ये भारत का पहला जहाज होने वाला है. इस तकनीक से लैस भारत दुनिया का पांचवा देश बनेगा. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल विशाखापट्टनम में 'ध्रुव' को लॉन्च करेंगे. मिसाइल को ट्रैक करने वाले ये जहाज रडार और एंटीना से लैस होते हैं. जिनका काम दुश्मन की मिसाइल और रॉकेट को ट्रैक करना होता है. ट्रैकिंग शिप की शुरुआत अमेरिका से हुई, जिसने द्वितीय विश्व युद्ध के बचे हुए जहाजों को ट्रैकिंग शिप में बदल दिया.

असम नाव हादसे में सीएम ने दिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश, आपराधिक मामला होगा दर्ज

जोरहाट । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को पुलिस को जोरहाट जिले के ब्रह्मपुत्र नदी में नाव पलटने के मामले में आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही सीएम ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश भी दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दुर्घटनास्थल का दौरा करने के बाद सरमा ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, दुर्घटना का मुख्य कारण कुप्रबंधन पाया गया है। सीएम ने कहा, मैंने जोरहाट पुलिस से दुर्घटना के लिए आपराधिक मामला दर्ज करने को कहा है। आज शाम तक हम दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच की घोषणा करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर जोरहाट में निमाती घाट से दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली के बीच एकल इंजन वाली 10 निजी मशीन बोट हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी एकल इंजन वाली नौकाओं के चलने पर प्रतिबंध लगाने का भी एलान किया। सीएम ने कहा कि वे इंजन समुद्री इंजन नहीं हैं। हालांकि, अगर कोई मालिक उन्हें समुद्री इंजन में बदलना चाहता है, तो हम उनका समर्थन करेंगे और उसे सब्सिडी देंगे। सरमा ने कहा कि एक समुद्री इंजन की कीमत लगभग 10 लाख रुपये है। इसे लगवाने का आवेदन करने के तुरंत बाद सरकार इसे नौका मालिकों को प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि कुल राशि में से 75 प्रतिशत सरकारी सब्सिडी होगी और 25 प्रतिशत ऋण के रूप में दिया जाएगा। जो लोग इसे लगवाना चाहते हैं वे आज से माजुली के उपायुक्त कार्यालय में आवेदन करना शुरू कर सकते हैं। सरमा ने यह भी कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के दौरान नाव पर कुल 90 लोग यात्रा कर रहे थे। इनमें से एक की मौत हो गई और दो अब भी लापता हैं। रात भर के खोज और बचाव अभियान में 87 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

राज्यसभा में हुए हंगामे के खिलाफ अनुशासन समिति का हिस्सा बनने से विपक्ष ने किया इनकार

नई दिल्ली। राज्यसभा में 11 अगस्त के हंगामे की जांच के लिए विशेष अनुशासनात्मक समिति गठित करने की राज्यसभा सभापति एम वेंकैया नायडू की योजना को लेकर गतिरोध पैदा हो गया है क्योंकि सभी विपक्षी दलों ने इस समिति का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है. सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस ने नायडू को पत्र लिखकर इस समिति का हिस्सा बनने से इनकार किया तो तृणमूल कांग्रेस से इस जांच समिति में शामिल होने के लिए नहीं कहा गया. तृणमूल के कुछ सदस्य पिछले सत्र के दौरान हुए हंगामे के केंद्रबिंदु थे.

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उन्हें चार सितंबर को नायडू की ओर से फोन आया था और यह प्रस्ताव दिया गया था कि मानसून सत्र के दौरान 11 अगस्त को उच्च सदन में हुई घटना की जांच के लिए समिति बनाई जाए.

खड़गे ने लगाया डरा धमाकर चुप कराने का आरोप- खड़गे ने कहा कि उनकी पार्टी इस समिति का हिस्सा नहीं होगी क्योंकि यह सदस्यों को डरा-धमकाकर चुप कराने एक प्रयास है. नायडू को लिखे पत्र में खड़गे ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल सदन में रचनात्मक चर्चा चाहते थे.

उन्होंने आरोप लगाया कि न सिर्फ चर्चा की मांग को नहीं माना गया, बल्कि उन विधेयकों को जल्दबाजी में पारित कराने की कोशिश की गई जिनका देश पर गंभीर एवं प्रतिकूल प्रभाव पड़ने वाला है. खड़गे ने वरिष्ठ भाजपा नेता दिवंगत अरुण जेटली के उस कथन का भी उल्लेख किया कि 'संसद की कार्यवाही नहीं चलने देना भी लोकतंत्र का एक स्वरूप है.' कांग्रेस नेता ने कहा कि 11 अगस्त से संबंधित मुद्दे पर आगे सर्वदलीय बैठकों में भी चर्चा की जा सकती है.

खड़गे ने कहा, ''यह मामला अब खत्म हो चुका है और अब इसे उठाना उचित नहीं है। अगले सत्र के समय हम इस पर संज्ञान ले सकते हैं.'' उनके मुताबिक, अब इस पर कोई अनुशासनात्मक समिति बनाना उचित नहीं होगा और इससे बचना चाहिए.

द्रमुक नेता तिरुची शिवा ने कहा कि उनकी पार्टी भी विपक्ष के साथ खड़ी होगी और ऐसी किसी समिति में शामिल नहीं होगी.उल्लेखनीय है कि मानसून सत्र के आखिरी दिन राज्यसभा में बीमा संबंधी विधेयक को पारित कराने का विपक्षी सदस्यों ने विरोध किया और इसके बाद सदन में जमकर हंगामा हुआ. सरकार ने विपक्षी सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की तो कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने सरकार पर 'लोकतंत्र की हत्या' का आरोप लगाया.

तालिबान का असरः इमरान सरकार ने टीचर्स के जीन्स, टी-शर्ट या टाइट कपड़े पहनने पर रोक लगाई, अब विरोध भी शुरू

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे का असर पाकिस्तान में भी नजर आने लगा है। यहां इमरान खान सरकार ने सभी केंद्रीय शिक्षा संस्थानों के टीचर्स के लिए एक फरमान जारी किया है।

इसमें कहा गया है कि फेडरल डायरेक्टोरेट एजुकेशन के तहत आने वाले किसी भी स्कूल, कॉलेज या यूनिवर्सिटी के टीचर्स जीन्स, टीशर्ट्स या टाइट्स नहीं पहन सकेंगे। इसके कुछ दिन पहले ही बहावलपुर मेडिकल कॉलेज में स्टूडेंट्स को भी इस तरह के कपड़े पहनने से रोका गया था।

पाकिस्तान के मशहूर शिक्षाविद परवेज हुदभाय समेत कई लोगों ने सरकार के इस आदेश का विरोध किया है। परवेज ने एक टीवी प्रोग्राम में कहा- हम हर मामले में पहले ही बहुत पीछे रह गए हैं, अब सरकार क्वॉलिटी एजुकेशन के बजाए तालिबान का निजाम अपनाने जा रही है। इमरान सरकार ने यह नोटिफिकेशन FDE के माध्यम से 7 सितंबर को जारी कराया। इसमें कहा गया है- FDE ने रिसर्च के दौरान यह पाया है कि पहनावे का असर लोगों के जेहन पर उससे कहीं ज्यादा होता है, जितना समझा जाता है। पहला प्रभाव तो छात्रों पर ही होता है।

हमने यह तय किया है कि महिला शिक्षक अब से जीन्स या टाइट्स नहीं पहन सकेंगी। पुरुष शिक्षकों के भी जीन्स और टी-शर्ट पहनने पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाई जा रही है। उन्हें क्लास और लैब्स में टीचिंग गाउन्स या कोट्स पहनना जरूरी होगा।

पंजाब प्रांत में भी इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की सरकार है। यहां पिछले हफ्ते राज्य सरकार ने बहावलपुर मेडिकल कॉलेज में स्टूडेंट्स के जीन्स और टी-शर्ट पहनने पर रोक लगाते हुए कहा था कि सिर्फ परंपरागत कपड़े ही पहने जा सकेंगे और इसके ऊपर मेडिकल कोट जरूरी होगा।

• विरोध की आवाजें

पाकिस्तान के न्यूज चैनलों पर सरकार के इस फरमान के खिलाफ आवाजें भी उठनी शुरू हो गई हैं। कुछ लोगों का कहना है कि जिस मुल्क का वजीर-ए-आजम यानी प्रधानमंत्री ही यौन अत्याचार के लिए महिलाओं के लिबास को दोष देता हो, वहां तो इस तरह के फरमान जारी होने ही थे। लेकिन, उन्हें यह बताना चाहिए कि 3 साल की बच्चियों के साथ होने वाले रेप और मर्डर के लिए कौन से नियम लागू होते हैं। इमरान ने पिछले दिनों एक भाषण में कहा था कि देश में होने वाले यौन अपराधों के लिए महिलाओं के वेस्टर्न आउटफिट और दूसरे देशों की फिल्में भी जिम्मेदार हैं और लोगों को पश्चिमी मानसिकता से बचना चाहिए। ये मानसिक गुलामी है।

हेमंत धनजी बने आस्ट्रेलिया सुप्रीम कोर्ट के जज, भारतीय मूल के पहले शख्स

सिडनी। भारतीय मूल के हेमंत धनजी आस्ट्रेलिया सुप्रीम कोर्ट के जज नियुक्त हुए हैं। सिडनी बैरिस्टर एनएसडब्ल्यू के सुप्रीम कोर्ट में जज की भूमिका निभाने वाले भारतीय मूल के पहले आस्ट्रेलियाई बन गए हैं।

हेमंत धनजी को तीन दशकों से ज्यादा कानूनी अनुभव

धनजी को साल 1990 में एक लीगल प्रैक्टिशनर के तौर पर भर्ती कराया गया था और उनके पास तीन दशकों से ज्यादा का कानूनी अनुभव है। इसकी जानकारी देते हुए भारत में आस्ट्रेलियाई हाईकमीशन ने ट्वीट करते हुए कहा, 'सिडनी बैरिस्टर हेमंत धनजी न्यू साउथ वेल्स सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त होने वाले भारतीय मूल के पहले आस्ट्रेलियाई बन गए हैं। वह 1990 में एक ला प्रैक्टिशनर के तौर पर भर्ती हुए। धनजी के पास तीन दशकों से अधिक का कानूनी अनुभव भी है।'

भारत-आस्ट्रेलिया के बेहतर हो रहे हैं संबंध

बता दें कि भारत-आस्ट्रेलिया दोनों देश बहुत लंबे समय से एक दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध साझा कर रहे हैं। इसके साथ ही लगातर दोनों देश के संबंधों में प्रगति हो रही है। द्विपक्षीय व्यापार, रणनीतिक प्रयास, छात्र विनिमय कार्यक्रम, सतत् विकास के लिए समान प्रतिबद्धताओं ने भारत तथा आस्ट्रेलिया के संबंधों को और अधिक मजबूत बनाया है। इस बीच 11 सितंबर को भारत आस्ट्रेलिया के बीच टू-प्लस-टू मंत्रिस्तरीय स्वांद भी होने वाला है।

अफगानिस्तान में आतंकियों का खेल है जारी, रहना होगा सतर्कः ब्लिंकन

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने आतंकवादी खतरों से सतर्क रहने की सलाह देते हुए पूरी तरह तैयार रहने को कहा है ताकि जरूरत पड़ने पर चुनौतियों से निपटा जा सके। 14 सितंबर को ब्लिंकन सीनेट फारेन रिलेशंस कमिटी के समक्ष पेश होंगे और अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी पर अपना पक्ष रखेंगे।

अफगानिस्तान में नए तालिबानी सरकार के गठन को लेकर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, 'हम सभी को सतर्क रहना होगा ताकि जोखिमों व खतरों की मानिटरिंग की जा सके और किसी भी तरह के खतरे से निपटा जा सके।' विदेश मंत्री ने कहा, 'किसी खतरे का सामना करने के लिए अमेरिका अपने आतंकरोधी क्षमताओं को मजबूत बनाए रखेगा और जरूरत पड़ने पर अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हटेगा।'

विदेश मंत्री ने 26 अगस्त को काबुल एयरपोर्ट पर हुए आतंकी हमले की घटना का जिक्र किया और कहा, 'हम इस तरह के खतरों से निपटने के लिए केवल तालिबान के भरोसे नहीं रह सकते। ISIS-K द्वारा 26 अगस्त को किए गए भयानक आतंकी हमले में 13 अमेरिकी जवान समेत कई अफगानियों की मौत हो गई। इसके बाद यह स्पष्ट है कि ऐसे आतंकी समूहों का भयानक खेल अफगानिस्तान में जारी है।' विदेश मंत्री ने कहा, 'नई केयरटेकर सरकार समेत तालिबान के बयान पर भरोसा रखना चाहिए जिसमें उन्होंने प्रतिबद्धता जताई है कि वे विदेशी नागरिकों, वीजा धारकों और अफगानिस्तान से बाहर जाने की इच्छा रखने वाले नागरिकों को वे दूसरे देश जाने की अनुमति देंगे। इससे पहले ब्लिंकन ने मंगलवार को कहा था कि उनका विभाग काबुल से अतिरिक्त चार्टर उड़ानों की व्यवस्था के लिए तालिबान के साथ काम कर रहा है ताकि वे लोग अफगानिस्तान से निकल सकें जो अमेरिका की सैन्य वापसी के बाद देश छोड़ना चाह रहे हैं।

शांतिरक्षा अभियानों में मितव्ययता के लिए नहीं होनी चाहिए कटौती :भारत

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र शांतिसेना में सबसे ज्यादा योगदान देने वाले भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों में कटौती, मितव्ययता की इच्छा से नहीं की जानी चाहिए। इसके साथ ही भारत ने चेताया कि युद्ध की स्थिति में वापस लौटने की कीमत अल्पकालिक बचत से कहीं ज्यादा होती है। संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर सुरक्षा परिषद की खुली चर्चा को संबोधित करते हुए भारत की विदेश राज्यमंत्री मिनाक्षी लेखी ने कहा कि शांतिरक्षा अभियानों में कटौती और उसे संयुक्त राष्ट्र की न्यूनतम उपस्थिति तक सीमित करना संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों की सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण चरण है। सुरक्षा परिषद की यह बैठक आयरलैंड की वर्तमान अध्यक्षता में हुई। लेखी ने कहा, मेजबान देश के लिए एक तरफ तो यह राजनीतिक स्थिरता की प्रगति और विकास के नए अवसरों की तरफ इंगित करता है, लेकिन दूसरी तरफ यह देश को संघर्ष की स्थिति में दोबारा पहुंचाने के खतरे को दर्शाता है।

जापान में फिर उभरी हिकिकोमोरी

कोरोना के दौरान जापान के 8फीससी लोगों में अलग-थलग रहने की प्रवृत्ति बढ़ी

टोक्यो। जापान के लोगों पर 20वीं सदी की शुरुआत में हावी हुई हिकिकोमोरी समस्या फिर उभर आई है। हिकिकोमोरी सामाजिक समस्या है, जो युवाओं से जुड़ी है। इससे पीड़ित लोग कई दिनों, हफ्तों या महीनों तक समाज और परिवार से अलग-थलग अपने आप में गुम रहना पसंद करते हैं। इस बार लौटी इस समस्या ने हिंसक स्वरूप अख्तियार कर लिया है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान यह काफी बढ़ गई है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जापान में इससे ग्रसित लोगों की संख्या 10 से 15 लाख है, पर मनोवैज्ञानिकों का अनुमान है कि करीब 1 करोड़ यानी 8त्न आबादी इससे ग्रसित है। इससे पीड़ित लोग कुंठा के चलते आत्महत्या करने के बारे में सोचते हैं। साथ ही वह दूसरों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। महिलाएं खासतौर पर ऐसे लोगों का निशाना बन रही हैं।

महिलाओं के खिलाफ पूर्वाग्रह कोरोना के दौरान काफी बढ़ाः वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता काजुनो हुतो कहती हैं कि जापानी समाज में महिलाओं के खिलाफ पूर्वाग्रह कोरोना के दौरान काफी बढ़ा है। कुछ पुरुषों को लगता है कि महिलाएं उनसे हीन हैं और यदि वे उनके अधीनस्थ नहीं हैं या खुश हैं तो उनसे यह बर्दाश्त नहीं होता है। जो महिलाएं अपने अधिकारों के लिए खड़ी होती हैं वे भी ऐसे पुरुषों के निशाने पर होती हैं।

अगस्त की शुरुआत में एक 36 वर्षीय युवक ने ट्रेन में सवार लोगों पर चाकू से हमला कर दिया, जिसमें दस लोग जख्मी हुए लेकिन उसकी हिंसा का सबसे बड़ा शिकार 20 वर्षीय युवती हुई। उसके पीठ पर चाकू से 10 से अधिक वार किए गए। हमला करने वाले युवक ने पुलिस हिरासत में कहा कि वह पिछले 6 साल से खुश दिखने वाली महिलाओं को मारने की फिराक में था।

तालिबान ने अफगान में फंसे 200 अमेरिकी और दूसरे देशों के नागरिकों को निकालने की दी अनुमति, बोले यूएस अधिकारी

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा होने के बाद भी लोगों में डर बना हुआ है। अभी तक यहां पर अमेरिका से लेकर तमाम मुल्क के नागरिक फंसे हुए हैं। तालिबान सरकार के गठन के बीच अफगान में 200 अमेरिकी नागिरक और दूसरे देशों के नागरिक को निकालने की इजाजत मिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि काबुल हवाई अड्डे से चार्टर उड़ानों पर प्रस्थान करने के लिए अमेरिकी निकासी अभियान की समाप्ति के बाद अफगानिस्तान में रहने देने पर सहमति व्यक्त की है।

नहीं साफ हुआ कि मजार-ए शरीफ में फंसे लोगों में शामिल हैं ये 200 लोग

न्यूज एजेंसी से बात करने वाले अधिकारी ने कहा कि तालिबान पर अमेरिकी विशेष प्रतिनिधि ज़ल्मय खलीलज़ाद द्वारा प्रस्थान की अनुमति देने के लिए दबाव डाला गया था। इन लोगों की रवाना होने की आज उम्मीद थी। हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि ये नागरिक क्या मजार-ए-शरीफ में फंसे लोगों में से थे। क्योंकि वहां पर उनके निजी चार्टर को जाने की अनुमति नहीं दी गई है। बता दें कि अफगानिस्तान पर 15 अगस्त के दिन ही तालिबान ने कब्जा कर लिया था, जिसके बाद यहां की स्थितियां लगातार बिगड़ रही है। आलम यह है कि अब पंजशीर पर भी तालिबान अपने कब्जे का दावा कर रहा है हालांकि, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। माना जा रहा है कि आतंकी संगठन के खिलाफ लड़ने वाले नेता अहमद मसूद और अमरूल्ला अभी पंजशीर में मौजूद है। वहीं अब यहां पर तालिबान, सरकार गठन की भी तैयारियां कर रहा है। संगठन की तरफ से जिम्मेदारी भी बांट दी गई हैं।

मैक्सिको में गर्भपात अब गैर कानूनी नहींः सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का देश में मन रहा जश्न

इस आरोप में जेल में बंद महिलाओं को मिली राहत

मैक्सिको। मैक्सिको के सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए गर्भपात को अपराध के दायरे से बाहर कर दिया है। कोर्ट के 11 जजों में से 8 ने एकमत से इस बारे में फैसला सुनाया। जजों की राय थी कि इस तरह के कानून पूरी तरह से असंवैधानिक होते हैं। चीफ जस्टिस अरटुरो जलदिवार ने कहा, 'यह ये सभी मैक्सिकन महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। ये सभी महिलाओं के अधिकारों के लिए इतिहास का कभी न भूलने वाला पल है।' फैसले के बाद इस लैटिन अमेरिकी देश में जश्न का माहौल है। देश में पिछले दिनों कुछ महिलाओं को सिर्फ इसलिए तीन साल जेल की सजा सुनाई गई थी, क्योंकि उहोंने गर्भपात कराया था। जिन्हें सजा मिली, उनमें से कुछ दुष्कर्म की पीड़ित थीं। फैसले का अब मैक्सिको की

सभी अदालतों को पालन करना होगा। पिछले साल अर्जेंटीना में जब महिलाओं को गर्भपात का अधिकार मिला, तो मैक्सिको में इसके समर्थन में हजारों महिलाओं ने प्रदर्शन किया था।

टेक्सास में 6 हफ्तों में गर्भपात का अधिकार मिला

अमेरिका के टेक्सास राज्य में बीते हफ्ते गर्भवती महिलाओं को पहले छह हफ्तों के भीतर गर्भपात कराने का अधिकार दिया गया है। नया कानून 1 सितंबर से लागू हुआ है। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में इस कानून पर रोक लगाने की अपील की गई थी, लेकिन बहुमत से फैसला देते हुए कोर्ट ने इस पर रोक लगाने से मना कर दिया था। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को महिलाओं के अधिकारों पर 'अभूतपूर्व हमला' बताया है।

रूस के मंत्री की मौतः इमरजेंसी मिनिस्टर जिनिचेव कैमरामैन को बचाने बर्फीले पानी में कूदे

सिर नुकीले पत्थर से टकराया और जान चली गई

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के करीबी सहयोगी इमरजेंसी सिचुएशन मिनिस्टर येवगेनी जिनचेव की एक हादसे में मौत हो गई। जिनिचेव आर्कटिक जोन में एक अभ्यास में हिस्सा ले रहे थे। इसी दौरान एक कैमरामैन पानी में फिसला। उसको बचाने के लिए जिनिचेव पानी में कूदे। दोनों की मौत हो गई। राष्ट्रपति पुतिन ने अपने सहयोगी के निधन पर संवेदना प्रकट की है।

मिनिस्ट्री ने जारी किया बयान

55 साल के जिनिचेव के निधन पर उनकी इमरजेंसी मिनिस्ट्री ने भी एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया- हमें इस बात का अफसोस है कि जिनिचेव अपने कर्तव्य को निभाते हुए शहीद हुए। वो आर्कटिक जोन के नोरलिस्क में एक मिशन ड्रिल में शामिल हुए थे। इसमें सिविल और मिलिट्री यूनिट्स हिस्सा लेती हैं। इसी दौरान एक व्यक्ति की जान बचाते हुए उन्हें अपनी जान गंवाना पड़ी।

कैसे हुई दुर्घटना

'मॉस्को टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक- इस हादसे के कई गवाह मौजूद हैं। लेकिन, सब कुछ इतनी तेजी से हुआ कि किसी को कुछ सोचने या करने का वक्त ही नहीं मिला। ड्रिल को एक कैमरामैन कवर कर रहा था। अचानक वो ऊंचाई से फिसला

और बर्फीले पानी में जा गिरा। उसे बचाने के लिए फौरन जिनिचेव ने भी पानी में छलांग लगा दी। बर्फीले पानी में गिरते ही उनका सिर किसी नुकीले पत्थर से टकराया और मौत हो गई। जिनिचेव जिस कैमरामैन को बचाने के लिए पानी में कूदे थे, उसकी भी घटना में मौत हो गई।

तालिबान की तानाशाहीःकार्यवाहक सरकार के गृहमंत्री हक्कानी का आदेश; इजाजत लेकर ही प्रदर्शन कर सकेंगे, बताना होगा कि कौन से नारे लगाएंगे

काबुल। अफगानिस्तान में कार्यवाहक सरकार ने तालिबानी आदेश देना शुरू कर दिया है। रात गृह मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी की तरफ से कहा गया कि अब बिना अनुमति कोई प्रदर्शन नहीं हो सकेंगे। काबुल समेत अन्य सभी प्रांतों के लिए जारी आदेश में कहा गया है कि कानून और गृह मंत्रालय की अनुमति के बगैर कोई व्यक्ति सड़क पर प्रदर्शन नहीं कर सकेगा।

कोई ऐसा करता है, तो नुकसान का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। अनुमति 24 घंटे के पहले लेनी होगी। प्रदर्शन के समय, स्थान और विस्तृत जानकारी देनी होगी। यह भी बताना होगा कि नारे क्या लगाए जाएंगे। इस बीच अफगानिस्तान की पुरानी सरकार के विदेश मंत्रालय ने एक पत्र जारी कर तालिबान की सरकार को अवैध बताया है।

यह भी कहा है कि दुनियाभर में उसके मिशन पूर्व की तरह काम करते रहेंगे। वहीं रात संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि गुलाम इसाक्जाई ने भी तालिबान की सरकार को अस्वीकार कर दुनिया से अपील की है कि वह सरकार को मान्यता न दे।

काबुल में तीसरे दिन प्रदर्शन, महिलाओं को बेसमेंट में बंद किया

महिलाओं ने तालिबानी बंदिशों और पाकिस्तान के दखल के खिलाफ काबुल में तीसरे प्रदर्शन किया। तालिबानियों ने महिलाओं को रोका और नारेबाजी बंद करने को कहा, लेकिन वे नहीं मानीं। तब तालिबान ने कई महिलाओं को बेसमेंट में बंद कर दिया।

तालिबान की अंतरिम सरकार को लेकर दुनिया में मिलीजुली प्रतिक्रिया है। चीन ने कहा कि 3 हफ्ते की अराजक स्थिति खत्म हुई। इस सरकार का स्वागत है। वहीं, अमेरिका ने कहा कि तालिबान के पुराने रिकॉर्ड को देखते हुए यह हमारे ने चिंता का विषय है। तुर्की ने कहा कि हम सतर्क हैं और स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। कतर ने कहा कि तालिबान के पुराने रिकॉर्ड पर न जाएं। उसकी कार्रवाई के आधार पर रुख तय करें।

घोषणा पत्र में मीडिया की बात करने वाले तालिबान ने पहले ही दिन काबुल में एक अखबार एतिलाट्रोज़ के पांच पत्रकारों को गिरफ्तार कर लिया। अखबार के संपादक जकी दरयाबी ने इसकी पुष्टि की है। गिरफ्तारी पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञों ने कहा कि अफगान पत्रकारों को तुरंत सुरक्षा दी जाए। पंजशीर के नॉर्दर्न अलायंस ने तालिबान सरकार को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। उसने कहा कि यह अवैध है। उसने ऐलान किया कि हम देश में समानांतर सरकार बनाएंगे। उधर, तालिबान के खौफ से हजारों अफगानी भागकर पाकिस्तान चले गए थे। अब पाक ने 200 लोगों को वापस भेज दिया है।

आइडा तूफान से अमेरिका में भारी नुकसान, 82 लोगों की गई जान

वाशिंगटन। अमेरिका में आइडा तूफान से मरने वालों की संख्या 82 तक पहुंच गई है। सीबीएस न्यूज ब्राडकास्टर ने बुधवार देर रात राज्यों के अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि लुसियाना में 26 पीड़ितों सहित दक्षिणपूर्वी राज्यों में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्रों में 52 और लोग मारे गए।

लगभग 10 दिन पहले आए आइडा तूफान ने खाड़ी तट, पेंसिल्वेनिया, न्यूयार्क और न्यू जर्सी के क्षेत्रों में व्यापक नुकसान पहुंचाया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल ही में कई क्षतिग्रस्त स्थानों का दौरा किया है। आइडा तूफान 29 अगस्त को लुसियाना तट से टकराया था। यह 2005 में आए कैटरीना तूफान के बाद अमेरिका में सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाली आपदा है।

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार

बाढ़ के कारण सबसे ज्यादा नुकसान भूमिगत तलों और भूतल पर रहने वाले लोगों को हुआ है। कई शहरों में ये लोग अवैध रूप से कम किराये वाले आवासों में रह रहे थे। निचले स्थानों पर मौजूद इन आवासों में कुछ घंटों में ही पानी भर गया था। जिन इलाकों में रात में पानी भरा, वहां रहने वालों को बचाव का समय भी नहीं मिला इसलिए बाढ़ से प्रभावित होने वालों में ज्यादातर गरीब तबके के लोग हैं।

अफगानिस्तान में 20 सालों में पहली बार अमेरिकी सैनिकों के बिना मनाई जाएगी 9/11 आतंकी हमले की बरसी

वाशिंगटन। अफगानिस्तान में 20 सालों में पहली बार अमेरिकी सैनिकों के बिना 9/11 आतंकी हमले की 20वीं बरसी मनाई जाएगी। दरअसल, 15 अगस्त के दिन अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से 31 अगस्त तक अमेरिका ने अपने सैनिकों को वापस बुला लिया। बता दें कि 11 सितंबर को ही साल 2001 में अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकी हमला हुआ था। यह हमला अब तक का सबसे बड़ा आतंकी हमला था, जिसने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया था। इस साल 11 सितंबर को इस आतंकी हमले की 20वीं बरसी मनाई जाएगी। इस आतंकी हमले में 2,977 लोगों ने अपनी जान गंवाई, जिनमें से अधिकांश न्यूयार्क से थे।

हमले के दौरान 4 विमानों को हाइजैक कर मिसाइल के तरह हुआ इस्तेमालः इस आतंकी हमले के दौरान दो घंटे से भी कम वक्त में 19 आतंकियों ने चार कमर्शियल विमानों को हाइजैक कर उनका मिसाइल की तरह इस्तेमाल किया था। इन विमानों का इस्तेमाल न्यूयार्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, पेंटागन और पेनसिल्वेनिया में हमलों के लिए किया गया गया था। दो विमानों के हमले से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के दो टावर- साउथ और नार्थ ढह गए थे। वहीं तीसरा विमान वाशिंगटन डीसी में पेंटागन सैन्य मुख्यालय के पश्चिम की ओर क्रैश हुआ था और चौथा विमान यानी फ्लाइट 93

पेनसिल्वेनिया में क्रैश हुआ था। इस दौरान आतंकियों की योजना फ्लाइट 93 से अमेरिकी राजधानी वाशिंगटन डीसी पर हमला करने की थी, लेकिन वो ऐसा करने में असफल रहे। क्योंकि विमान में सवार 40 यात्रियों और क्रू के सदस्यों ने निडरता से उनका सामना किया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन शहीदों को देंगे श्रद्धांजलि

बता दें कि 9/11 आतंकी हमले की बरसी पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन शनिवार को हमले में हुए शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। राष्ट्रपति ने 9/11 आतंकी हमले से जुड़े दस्तावेजों को गोपनीय सूची से हटाने का निर्देश दिया है।

राजधानी में वायरल की चपेट में बच्चे

चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय में आईसीयू फुल

- सभी अस्पतालों की ओपीडी में डेढ़ से दो गुना तक बढ़े मरीज
- ज्यादातर वायरल से पीड़ित, बच्चों की संख्या भी बढ़ी

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)। उत्तर प्रदेश के बाद दिल्ली में भी वायरल के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। खासकर 6 से 14 साल तक के बच्चे इसकी चपेट में ज्यादा आ रहे हैं। हालत यह है कि पूर्वी दिल्ली के चाचा नेहरु बाल चिकित्सालय में अधिकतर आईसीयू बेड फुल हो चुके हैं। इसके अलावा लोकनायक, जीटीबी, डीडीयू, राव तुला राम, केंद्र सरकार के डॉ. राम मनोहर लोहिया, सफदरजंग अस्पताल, लेडी हार्डिंग सहित अन्य अस्पतालों की ओपीडी भी सामान्य से डेढ से दो गुना तक बढ़ गए हैं। इस संबंध में लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि अस्पताल में अभी 3000 के करीब ओपीडी में मरीज आ रहे हैं। बीते कुछ दिनों से वायरल के मामले तेजी से बढ़ गए हैं। इनमें बच्चों की संख्या भी है, हालांकि यह ज्यादा नहीं हैं। वहीं अन्य अस्पतालों के डॉक्टरों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से वायरल के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। देखने में आ रहा है कि यदि घर में किसी एक व्यक्ति को फीवर आ रहा है तो इससे सभी परिजन भी प्रभावित हो रहे हैं। वहीं निजी अस्पतालों में भी तेजी से मरीज बढ़ रहे हैं। डॉक्टर मीना जे ने बताया कि 103-104 डिग्री बुखार के साथ बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें बढ़ी संख्या में बच्चे भी शामिल हैं। छह माह से छोटे बच्चों को कई बार नीकू में भी रखना पड़ रहा है। बता दें कि इससे पहले यूपी के फिरोजबाद और मथुरा में बच्चों में वायरल बुखार के मामले देखने को मिले थे।

पिछले एक सप्ताह में बढ़े मामले

चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय के निदेशक डॉ.बीएल शेरवाल की माने तो पिछले एक सप्ताह से अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। डेंगू के मामलों में पहले जहां पॉजिटिविटी रेट महज 2 फीसदी था तो वहीं अब बढ़कर 6-7 फीसदी तक हो गया है। हालांकि बच्चों में उत्तर प्रदेश जैसे बुखार के लक्षण नहीं मिले हैं। बता दें कि अगस्त महीने में डेंगू के कुल 72 मामले दर्ज किए गए हैं जो कि 2017 के 518 मामलों के बाद अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

जलभराव की समस्या से बढ़ीं हैं बीमारियां

दिल्ली में बीते दिनों हुई रिकार्ड बारिश के कारण जलभराव की समस्या बढ़ गई है। कई जगहों पर बारिश का पानी जमा होने के कारण डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। साउथ एमसीडी में स्थायी समिति के अध्यक्ष बीके ओबेरॉय का कहना है कि मौजूदा समय में हुई बारिश और हल्के जलभराव के चलते इन बीमारियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि नगर निगम की ओर से इन बीमारियों की रोकथाम की पूरी कोशिश की जा रही है।

प्रदूषणरोधी कार्य की समीक्षा दिल्ली वालों के समक्ष रखे सरकार : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय द्वारा प्रदूषण को लेकर आज प्रस्तुत विंटर एक्शन प्लान एक छलावा है। आदेश गुप्ता ने कहा है कि यह अजीब विडम्बना है कि गत 6-7 सालों से दिल्ली वाले भारी प्रदूषण की मार सहते हैं और आज भी केजरीवाल

सरकार भविष्य में करने वाले कार्यों की योजना तो प्रस्तुत कर रही है पर यह नही बता रही कि गत सात साल में प्रदूषण रोकने के लिए क्या कार्य किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि सर्दियों में दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के तीन प्रमुख कारण हैं, पड़ोसी राज्यों में पराली जलने का प्रभाव, भवन-सड़क निर्माण से उठने वाली धूल मिट्टी और वाहन प्रदूषण पर यह दुखद है कि आज भी मंत्री गोपाल राय सामने आए तो उनके पास गत 7 साल तो छोडिए गत एक साल में भी प्रदूषण रोधी अभियान के नाम पर भी बताने के लियें कोई काम नही था। आदेश गुप्ता ने मांग की है कि दिल्ली सरकार जनता को प्रदूषण पर कागजी योजनाएं सुनाने की जगह अविलंब गत एक साल में किए गए प्रदूषण रोधी कार्य की समीक्षा दिल्ली वालों के समक्ष रखे।

शादी के रजिस्ट्रेशन के दौरान व्यक्तिगत उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पेशी भी होगी शामिल- दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि शादी के पंजीकरण के लिए संबंधित अधिकारी के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने की जरूरत में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होना भी शामिल है. न्यायमूर्ति रेखा पल्ली ने कहा कि उच्च न्यायालय ने पहले भी वर्चुअल माध्यम से 2007 में विवाह के पंजीकरण की अनुमति दी थी जब वीडियो कॉन्फ्रेंस का उपयोग शुरुआती चरण में था.

वह अमेरिका में रह रहे एक युगल की याचिका पर सुनवाई कर रही थीं जिसने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अपनी शादी के पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) का अनुरोध किया था. न्यायाधीश ने कहा, 'मुझे लगता है कि व्यक्तिगत उपस्थिति (की जरूरत) में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थिति शामिल होगी. उन्होंने कहा कि वह पंजीकरण प्राधिकरण के समक्ष आभासी उपस्थिति की अनुमति मांगने वाली 'याचिका को स्वीकार' करेंगी. न्यायाधीश ने दंपति से कहा, 'आपको एक या दो दिन में आदेश मिल जाएगा.

वर्तमान मामले में, दंपति ने दावा किया कि 2014 में विवाह पंजीकरण अनिवार्य किए जाने से पहले उनकी शादी हिंदू रीति-रिवाजों से हुई थी. क्योंकि दंपति विदेश में स्थानांतरित हो गया, इसलिए वह दिल्ली (विवाह का अनिवार्य पंजीकरण) आदेश, 2014 के तहत अपनी शादी को पंजीकृत नहीं करा पाया. यह देखते हुए कि विवाह प्रमाणपत्र के अभाव में ग्रीन कार्ड के लिए उनके आवेदन पर अमेरिका में विचार नहीं किया जा रहा, दंपति ने विवाह प्रमाण पत्र जारी करने के लिए यहां स्थानीय प्राधिकरण से संपर्क किया, जिसने कहा कि पक्षों की प्रत्यक्ष उपस्थिति अनिवार्य है.

आभासी उपस्थिति के लिए एसडीएम से किए गए आग्रह का जवाब न मिलने पर दंपति ने उच्च न्यायालय का रुख किया. दंपति के वकील ने कहा कि कई उच्च न्यायालयों ने विवाह पंजीकरण के लिए पक्षों की आभासी उपस्थिति की अनुमति देने के आदेश पारित किए हैं.वकील ने कहा कि कोविड-19 महामारी और कई देशों द्वारा लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए आभासी उपस्थिति की अनुमति दी जानी चाहिए. वहीं, दिल्ली सरकार के वकील ने तर्क दिया कि शादी के पंजीकरण की मांग करने वाले दंपति की प्रत्यक्ष उपस्थिति अनिवार्य है और यह प्रक्रिया वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नहीं की जा सकती क्योंकि इसके लिए 'लाइव फोटो' लेने की आवश्यकता होती है.

संक्षिप्त खबर

सुंदरकांड पाठ किया गया आयोजन

नई दिल्ली। श्री बालाजी सेवा संघ के तत्वाधान में नीतू बालाजी के सानिध्य में श्री राम सेवा मंडल चंदर नगर द्वारा श्री सुंदरकांड पाठ श्री शिव साईं मंदिर चंदर नगर में धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर श्री बाला जी सेवा के सदस्यों ने संस्था को बाला जी का स्मृति चिन्ह् देकर सम्मानित किया इसमें राकेश मल्होत्रा, कृष्ण लाल मल्होत्रा,ओम प्रकाश सहगल, सुरेश कपूर,नरेश पोपली,तेज प्रकाश कोहली,नरेश मल्होत्रा, सुरेंद्र छाबड़ा, अजय मेहता, अमित नारंग और स्थानीय लोगों ने भजन कीर्तन का आनंद लिया।

उत्तरी निगम लाई आम माफी योजना

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम लाल डोरा, विस्तारित लाल डोरा, गांव की विस्तारित आबादी और 544 अनधिकृत नियमित कॉलोनियों और अनधिकृत कॉलोनियों और कश्मीरी प्रवासियों को आबंटित संपत्तियों को राहत देने के लिए एक नई माफी योजना शुरू की है। इस आम माफी योजना के अनुसार, लाल डोरा, विस्तारित लाल डोरा, गांव की विस्तारित आबादी और 544 अनधिकृत नियमित कॉलोनियों और अनधिकृत कॉलोनियों में संपत्ति कर और उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में सरकार द्वारा कश्मीरी प्रवासियों को आवंटित संपत्तियां का वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 से पहले का संपत्तिकर और गैर-आवासीय संपत्तियों का वित्तीय वर्ष 2019-20 से पहले का संपत्ति कर माफ कर दिया गया है। इस आम माफी योजना के अनुसार, इन कॉलोनियों में आवासीय संपत्तियों के करदाताओं को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 के संपत्ति कर का ही भुगतान करना होगा और इससे पहले का सभी बकाया संपत्ति कर माफ होगा। इसी तरह, गैर-आवासीय संपत्तियों के संबंध में, करदाताओं को पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष यानी वित्तीय वर्ष 2019-20 व 2020-21 और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 के बकाया संपत्ति कर का भुगतान करना होगा और इन अवधि से पहले का बकाया संपत्ति कर माफ होगा।

प्रदूषण से बचाने के लिए दस विंटर एक्शन प्लान बनाएगी सरकार

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने ठंड के मौसम में विभिन्न वजहों से बढ़ने वाले प्रदूषण से दिल्ली की जनता को बचाने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने विंटर एक्शन प्लान को लेकर आज पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी, विकास विभाग और वन विभाग के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के खिलाफ जन सहयोग से सक्रिय अभियान चलाने के लिए विंटर एक्शन प्लान की तैयारी शुरू कर दी है। हमारा विंटर एक्शन प्लान, पराली व कूड़ा जलाने, वाहन व धूल प्रदूषण, हॉटस्पॉट, स्मॉग टावर, पड़ोसी राज्यों से संवाद, वाररूम व ग्रीन एप को उन्नत बनाने और केंद्र सरकार व केंद्रीय कमीशन से संपर्क जैसे 10 फोकस बिंदुओं पर आधारित बनाया जाएगा। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि 14 सितंबर को सभी संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्धारित फोकस बिंदुओं पर सुझाव लेंगे और 30 सितम्बर तक विंटर एक्शन प्लान को तैयार कर किया जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विंटर एक्शन प्लान तैयार करने को लेकर लिए गए कुछ प्रमुख निणर्यों के संबंध में जानकारी दी। दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ जन सहयोग से सक्रिय अभियान चलाने के लिए दिल्ली सरकार ने विंटर एक्शन प्लान की तैयारी शुरू कर दी है।

400 से ज्यादा लोगों से पूछताछ, 150 सीसीटीवी कैमरों की जांच के बाद गिरफ्त में आया मां की हत्या का आरोपी बेटा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आउटर डिस्ट्रिक्ट के मुंडका थाना पुलिस ने अपनी मां की हत्या को अंजाम देने वाले बेटे को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस के मुताबिक 1 सितंबर को थाना मुंडका पुलिस को करीब 8.30 बजे एक महिला के सिर में गोली लगने और एम्बुलेंस की आवश्यकता के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली थी. मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची. पुलिस ने घर के अंदर पहुंचकर देखा कि फर्श पर सामने खून बिखरा पड़ा है और वहीं पर

कुछ खाली और जिंदा कारतूस के साथ-साथ एक देशी तमंचा, एक डमी पिस्टल भी मिली.

जांच के दौरान घायल महिला की पहचान रोशनी के रूप में हुई. जिन्हें घायल अवस्था मे अस्पताल में भर्ती करवाया गया था. जहां 6 तारीख को उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. तफ्तीश दौरान पुलिस को पता चला कि इस वारदात को महिला के बेटे ने अंजाम दिया है जोकि मौके तब से ही फरार चल रहा था.

400 लोगों से पूछताछ के बाद मिला आरोपी बेटा- मामले की जांच कर रही टीम ने आरोपी की गिरफतारी के लिए करीब 100 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की और लगभग 400 लोगों से पूछताछ की. इसके अलावा करीब 150 सीसीटीवी कैमरों को भी चेक किया गया. करीब 8 दिनों की कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार आरोपी संदीप पुलिस की गिरफ्त में आ ही गया.

मां शराब पीने पर डांटती इसी गुस्से में मार दी गोली- पुलिस की पूछताछ में आरोपी संदीप ने खुलासा किया कि उसने 2013 में शादी की थी. दंपति की 5 साल की एक बेटी है. हालांकि, जल्द ही पति-पत्नी के रिश्ते बिगड़ गए जिसके बाद उसकी पत्नी अपने माता-पिता के साथ रहने लगी.

संदीप पहले ड्राइवर का काम करता था लेकिन उसने नौकरी छोड़ दी और शराब पीने की लत लग गई. जिस कारण मां-बेटे के बीच हर दिन लड़ाई होती थी. मां सदीप से अपने तरीके ठीक करने के लिए कहती थी. यहीं कारण था कि हर दिन उनके बीच बहस होती थी.

वारदात वाली रात भी दोनों के बीच कुछ बहस हुई जिसके चलते आरोपी ने अपनी मां पर गोली चला दी. गोली पीड़िता के गले में जा लगी. बाद में आरोपी मौके से फरार हो गया और रोजाना अपना ठिकाना बदल रहा था. भागने से पहले उसने अपना फोन भी फेंक दिया ताकि पकड़ा न जा सके, लेकिन आखिरकार पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर ही लिया.

प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने तैयार किया विंटर एक्शन प्लान, 30 सितंबर से हो सकता है लागू

नई दिल्ली। दिल्ली वासियों को लगातार बीते कई सालों से प्रदूषण की समस्या का सामना करना पड़ रहा है. आने वाले दिनों में दिल्ली वालों को इस समस्या का सामना न करना पड़े, इसको लेकर दिल्ली सरकार की तरफ से विंटर एक्शन प्लान तैयार किया गया है. इसे एजेंसियों और पड़ोसी राज्यों की सरकारों से बात करने और उनके सुझाव जानने के बाद 30 सितंबर से लागू किया जाएगा.

विंटर एक्शन प्लान में 10 मुख्य बातों को शामिल किया गया है. इसमे पराली को सबसे ऊपर रखा गया है. पराली, व्हीकल, डस्ट पॉल्यूशन, वेस्ट बर्निंग, हॉट स्पॉट (ज्यादा पॉल्यूशन क्षेत्र) , स्मॉग टॉवर को लगाना, पड़ोसी राज्यों से बात, वॉर रूम को और बढ़ाना, ग्रीन एप को अपडेट, सेंट्रल गवर्मेंट / कमीशन के साथ बात शामिल है.

14 सितंबर को होगी रिव्यू मीटिंग- आम आदमी पार्टी मंत्री गोपाल राय ने कहा कि, पराली दिल्ली के प्रदूषण की मुख्य वजह है. हमने लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को देखते हुए ÷ विंटर एक्शन प्लान तैयार किया है. दिल्ली के

अंदर मल्टीपल एजेंसी काम करती हैं. 14 सितंबर को हम ऑल डिपार्टमेंट के साथ रिव्यू मीटिंग करेंगे. इसमें एनडीएमसी, तीनों द्वस्न, पीडब्ल्यूडी, फ्लड डिपार्टमेंट, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के साथ मिलकर उनसे उनके सुझाव मांगेंगे और उनकी इस विंटर एक्शन प्लान में शामिल करेंगे. बता दें, 15 सितंबर के बाद से पराली जलाना शुरू हो जाएगा. वहीं दिल्ली सरकार के इस एक्शन प्लान को 30 सितंबर को फाइनल रूप देने के बाद लागू किया जाएगा.

कुछ महीनों पहले आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दिल्ली लगातार तीसरे साल दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी रही. यह बात स्विश ग्रुप ढ्ढक्त-ढ्ढह्व की स्टडी में सामने आई थी. दरअसल, स्विस ग्रुप ने फेफड़े को नुकसान पहुंचाने वाले एयरबोर्न पार्टिकल क्क2.5 के आधार पर वायु गुणवत्ता मापकर रिपोर्ट जारी की थी. ढ्ढक्त-ढ्ढह्व की 2020 की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में से 35 भारत के थे.

रिपोर्ट में कहा गया था कि 106 देशों के डेटा एकत्र किया गया था. यह रिपोर्ट देश के वार्षिक औसत पार्टिकुलेट मैटर क्क2.5 पर आधारित थी, जिसमें 2.5 माइक्रोन से कम व्यास वाले एयरबोर्न पार्टिकल्स होते हैं. क्क2.5 के लंबे समय तक संपर्क में रहने से कैंसर और हृदय संबंधी समस्याओं सहित जानलेवा बीमारियां हो सकती हैं.

गरुद्वार कमेटी व डीएम साउथ के सहयोग से लगा मुफ्त कोविड टीकाकरण शिविर

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली । कोरोना से बचने के लिए वैक्सिनेशन अब एकमात्र उपाय है जिसके लिए लगातार प्रशासन लोगों को जागरूक कर रहा है इसी कड़ी में दक्षिण दिल्ली के मदनगीर इलाके के श्री 108 स्वामी शिवनारायण गुरुद्वारा मन्दिर में समिति के सदस्यों, जिला उपायुक्त दिल्ली सरकार, साकेत दक्षिणी दिल्ली की

तरफ से मुफ्त वैक्सीनेशन शिविर का दो दिवसीय आयोजन किया गया जिसमें क्राइम इन्वेस्टिगेशन बयूरो के अध्यक्ष के.डी.यादव,निगम पार्षद वार्ड नं-79 एस व रेखा सांकला के सहयोग से आसपास के निवासियों ने भारी संख्या में वैक्सीनेशन कैम्प में भाग लिया और मुफ्त टीका करण का लाभ उठाया। निगम पार्षद दिनेश कुमार वार्ड-79 एस ने बताया कि लगातार वैक्सीनेशन के लिए दिल्ली सरकार लोगों को जागरूक कर रही है,जिसका लाभ दिल्ली की जनता को मिल रहा है।

कोरोना से बचने का एकमात्र उपाय टीकाकरण : रेखा

निगम पार्षद रेखा सांकला ने बताया कि कोरोना से बचने का एकमात्र उपाय वेक्सीन है जिसे मोदी सरकार मुफ्त दे रही है, ओर गुरूद्वारा समिति ने अच्छा काम किया है जो हमारे इलाके में मुफ्त दो दिवसीय वैक्सीनेशन कैंप,गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष बन्सी लाल अन्य साथी, दक्षिणी दिल्ली उपायुक्त का आभार जिनके कारण केम्प सफल हुआ। बन्सी लाल अध्यक्ष कमेटी ने बताया कि उपायुक्त साउथ दिल्ली सरकार के सहयोग से दो दिवसीय कैम्प लगाया गया जहां 508 लोगों को कोरोना वेक्सीन लगी साथ ही उनको जागरूक भी किया गया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने ठुकराई गणेश चतुर्थी मनाने पर रोक लगाने की याचिका, कहा- बिना होमवर्क किए आ गए; वकील ने मांगी माफी

नई दिल्ली। गणेश चतुर्थी का लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं कि कब उनके बप्पा उनके घर आएंगे. वहीं दिल्ली में गणेश चतुर्थी मनाने पर रोक को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी. इस याचिका पर कोर्ट ने नोटिस इशू करने से मना कर दिया है. कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने बिना होमवर्क किए अधूरी याचिका दायर की है. वकील एम.एल शर्मा ने ये याचिका दायर की थी. शर्मा ने कोर्ट की टिप्पणी के बाद, कोर्ट से दोबारा इस मामले में संशोधित याचिका दायर करने की इजाज़त के साथ अपनी याचिका वापस ले ली है. वकील एम एल शर्मा ने अपनी याचिका में कहा था कि कोई भी राज्य कोई धार्मिक गतिविधि नहीं कर सकता और दिल्ली सरकार पिछले 15 दिनों से गणेश पूजा के विज्ञापन दें रही है. टीवी चैनलों पर ऐसे विज्ञापन दिखाए जा रहे हैं.

ऐसे उत्सव मनाना आपराधिक विश्वासघात के बराबर- दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीएन पटेल ने शर्मा से पूछा कि रिट याचिका में आपकी क्या प्रार्थना है? वकील एम.एल शर्मा ने कहा कि ऐसे माहौल में राज्य द्वारा ऐसे उत्सव मनाना मनमाना है. ये आपराधिक विश्वासघात के बराबर है. कोर्ट ने कहा कि आपकी प्रार्थना क्या है? पेज पर आएं, कोई सही पेजिंग नहीं है. आप किस याचिका पर बहस कर रहे हैं? यहां पेजिंग अलग है.कोर्ट ने वकील शर्मा से पूछा कि क्या उनके पास उन विज्ञापनों के स्क्रीनशॉट या तस्वीरें हैं जिनका वो उल्लेख कर रहे हैं, क्या कोई एनेक्चर हैं. इसके जवाब में याचिका वकील एम.एल शर्मा ने कहा कि नहीं ऐसा कुछ नहीं है.

कोर्ट ने शर्मा से कहा कि याचिका में किए गए दावों के मुताबिक आपने अपनी याचिका में विज्ञान से संबंधित कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं और आप कह रहे हैं 'उत्सव, समारोह, विज्ञापन अवैध है' कौन सा विज्ञापन? हमें पता ही नहीं है. विज्ञापन को देखे बिना हमें इसे अवैध घोषित कर देना चाहिए?. वहीं कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह याचिका बिना कोई होमवर्क किए दायर की गई है. अगर आप फाइल करना चाहते हैं तो आप एक नई याचिका दायर करें. इसमें हम नोटिस भी जारी नहीं करेंगे.

वकील ने कोर्ट से मांगी माफी- वकील एम.एल शर्मा ने कोर्ट से कहा कि वो इसके लिए माफी चाहतें, उनकी तबीयत ठीक नहीं थी. ने ई पेटिशन दायर करेंगे, लेकिन क्या कोर्ट सरकार से ये पूछ सकता है कि वो गणेश चतुर्थी का उत्सव आयोजित करने जा रहे हैं या नहीं ?.

जिसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका वकील एम.एल शर्मा की मांग को ठुकराते हुए उन्हें मौजूदा याचिका वापस लेने और कोर्ट के समक्ष ने ई याचिका दायर करने की इजाज़त दी है.

योजना दिल्ली सरकार पहली मल्टी लेवल बस पार्किंग हरि नगर व वसंत विहार डिपो में करेगी विकसित

दिल्लीवासियों को समर्पित की जाएगी सेवा : गहलोत

(एजेंसी)

नई दिल्ली । केजरीवाल सरकार दिल्ली की पहली मल्टी लेवल बस पार्किंग हरि नगर और वसंत विहार डिपो में विकसित करेगी। दिल्ली परिवहन निगम डीटीसी की विभिन्न साइटों पर दिल्ली परिवहन विभाग यह मल्टी-लेवल बस पार्किंग की सुविधा विकसित करने जा रही है। नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड एनबीसीसी द्वारा निष्पादित की जाने वाली इस परियोजना का लक्ष्य 2 प्रमुख डीटीसी डिपो-हरि नगर और वसंत विहार को विश्व स्तरीय डिपो में विकसित करना होगा, जिसमें रिटेल के साथ-साथ वर्तमान पार्किंग क्षमता से 2 से 3 गुना ज्यादा गाड़ियां पार्क हो सकें।

इनमें 2.6 लाख वर्ग फुट से अधिक की बेसमेंट पार्किंग भी होंगी, जिसमें 690 से अधिक गाड़ियां खड़ी हो सकेंगी।

इन डिपो के डिजाइन में शोर और कंपन प्रभाव विश्लेषण के बाद, स्टील हेलीकल स्प्रिंग्स के जरिए वाइब्रेशन आइसोलेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही, पार्किंग दक्षता के लिए 45 डिग्री कोण तकनीक का इस्तेमाल भी इनमे किया गया है। यह डिजाइन विदेशों में इसी तरह की परियोजनाओं और लाइव केस स्टडीज और सिमुलेशन के विस्तृत शोध के बाद किए गए हैं।

इसके साथ ही 45 डिग्री कोणों के उपयोग से प्रत्येक डिपो में 10-15 फीसद अधिक बसें खड़ी की जा सकेंगी। डिपो सम्बंधित विभिन्न सुविधाओं जैसे वाशिंग

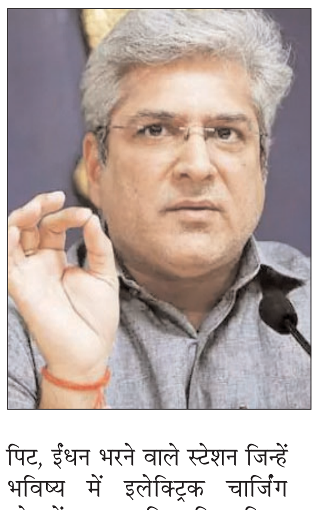

पिट, ईंधन भरने वाले स्टेशन जिन्हें भविष्य में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशनों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, इसको भी इन साइटों पर शामिल किया जाएगा।

इन 2 स्थलों के अलावा, शादीपुर और हरि नगर 3 में डीटीसी कॉलोनियों को रिटेल और

- रिटेल के साथ-साथ वर्तमान पार्किंग क्षमता से 2 से 3 गुना ज्यादा गाड़ियां हो सकेंगी पार्क
- पार्किंग दक्षता के लिए 45 डिग्री कोण तकनीक का किय गया है इस्तेमाल
- 45 डिग्री कोणों के उपयोग से प्रत्येक डिपो में 10-15 फीसद अधिक बसें खड़ी की जा सकेंगी

वाणिज्यिक सुविधाओं के साथ आवासीय इकाइयों में पुनर्विकसित किया जा रहा है। इनमें दिल्ली मास्टर प्लान 2021 के मानदंडों के अनुसार ईडब्ल्यूएस आवास भी शामिल होंगे। इससे पहले, अक्टूबर 2020 में, डीटीसी ने एनबीसीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ था। जिसके अनुसार एनबीसीसी बहु-स्तरीय बस पार्किंग डिपो और डीटीसी की आवासीय कॉलोनियों के पुनर्विकास में परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में कार्य करेगा। इन मल्टी लेवल बस डिपो का निर्माण इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगा और 2024 तक चरणबद्ध तरीके से पूरा हो जाएगा।

इस संबंध में दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस के तहत बहु-स्तरीय बस पार्किंग एक और विश्व स्तरीय, अत्याधुनिक सार्वजनिक परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर होगा, जो दिल्ली के लोगों को समर्पित की जाएगी। आत्मनिर्भर, शून्य-ऊर्जा पर बनी यह सुविधा निस्संदेह दिल्ली को सार्वजनिक परिवहन और परिवहन बुनियादी ढांचे में दुनिया के शीर्ष शहरों की सूची में डाल देगी।

दक्षिणी निगम ने नई पहल 'अभिशक्ति' की शुरुआत की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दक्षिणी दिल्ली के महापौर मुकेश सुर्यान व स्थायी समिति के अध्यक्ष कर्नल बी.के. ओबरॉय ने गुरुवार को पश्चिमी जोन में विद्यार्थियों के लिए नई पहल 'अभिशक्ति' की शुरुआत की और 66 मेधावी छात्रों को टैबलेट वितरित किए।

इस अवसर पर महापौर मुकेश सुर्यान ने कहा कि इस नई पहल 'अभिशक्ति' के अंतर्गत हम निगम विद्यालयों के मेधावी छात्रों को टैबलेट प्रदान कर रहे है। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालयों में निम्न व गरीब परिवारों के बच्चे आते है। कोरोनाकाल में विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन क्लास चलाई जा रही है और मोबाइल या लैपटॉप के अभाव में इन बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। दक्षिणी निगम विभिन्न प्राइवेट संस्थाओं के सहयोग से सी.एस.आर.डोनेशन के तहत बच्चों को टैबलेट प्रदान कर रही है ताकि घर पर ही बच्चों की शिक्षा जारी रह सके।

संपादकीय

शिक्षा पर कोविड की मार

कोविड-19 ने मानव समाज को कितना पीछे धकेला है, इसके सटीक आकलन में अभी वर्षों लगेंगे, क्योंकि महामारी पर निर्णायक नियंत्रण का कोई सिरा फिलहाल ठीक-ठीक दिख नहीं रहा और दुनिया का एक बड़ा व बेबस हिस्सा अब भी इसकी वैक्सीन के इंतजार में है। पर इसके जो तात्कालिक असर दिख रहे हैं, वही काफी दिल दुखाने और चिंतित करने वाले हैं। भारत के संदर्भ में मशहूर अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज, रीतिका खेड़ा और शोधार्थी विपुल पैकरा का एक ताजा सर्वेक्षण बताता है कि लंबे अरसे तक स्कूलों के बंद रहने की सबसे बड़ी कीमत ग्रामीण इलाकों के गरीब बच्चों ने चुकाई है। कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों के बीच किए गए इस सर्वे के मुताबिक, गांवों में रहने वाले 37 प्रतिशत बच्चों ने इस अवधि में बिल्कुल पढ़ाई नहीं की, जबकि सिर्फ आठ फीसदी बच्चे नियमित रूप से ऑनलाइन पढ़ाई कर सके। शहरी क्षेत्र के आंकड़े भी कोई बहुत राहत नहीं देते। यहां भी सिर्फ 24 प्रतिशत बच्चे नियमित रूप से ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण कर सके।

ये आंकड़े चौंकाने वाले नहीं हैं, अलबत्ता तकलीफदेह जरूर हैं। करीब डेढ़ साल तक देश भर में स्कूल बंद रहे। इस दौरान ऑनलाइन पढ़ाई की वैकल्पिक व्यवस्था की गई, मगर इसकी जटिलताओं व सीमाओं को देखते हुए और भी बहुत कुछ करने की जरूरत थी। सरकार और शिक्षा तंत्र, दोनों इस बात से बखूबी वाकिफ थे कि जो बच्चे दोपहर के भोजन के आकर्षण में स्कूल आते हैं या जिनके मां-बाप बमुश्किल उनकी फीस जोड़ पाते हैं, उनके पास स्मार्टफोन, इंटरनेट, बिजली जैसी सुविधाएं कहां होंगी! ऐसे में, उनके लिए इनोवेटिव रास्ते निकालने के वास्ते स्थानीय शिक्षा-तंत्र को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए था। खासकर पूर्ण लॉकडाउन के फौरन बाद। लेकिन सवाल सरोकार का है, और दुर्योग से शिक्षा इसमें बहुत ऊपर कभी नहीं रही। इस मद में बजटीय आवंटन और स्कूलों-शिक्षकों की कमी ही बहुत कुछ कह देती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार की पहली प्राथमिकता संक्रमण रोकने की थी, और यह होनी भी चाहिए थी। पर जिस तरह उसने लोगों को भूख से मरने नहीं दिया, चुनावों में शिक्षकों की सेवाएं लीं, वह इस स्थिति से भी बचने की राह तलाश सकती थी। बहरहाल, चुनौती बड़ी है, क्योंकि बच्चों की एक विशाल संख्या सीखने में काफी पिछड़ गई है। सर्वे के निष्कर्षों में कहा गया है, कक्षा पांच के काफी बच्चों को दूसरे दरजे का पाठ पढ़ने में कठिनाई महसूस होने लगी है। अब जब तमाम सावधानियों के साथ स्कूल खुल रहे हैं, तब हमारे पूरे शिक्षा तंत्र की काबिलियत इसी से आंकी जाएगी कि वह इन बच्चों के नुकसान को किस तरह से न्यूनतम कर पाता है। सरकारों को शिक्षकों से अब पढ़ाई-लिखाई से इतर कोई भी कार्य लेने से परहेज बरतना चाहिए। उन्हें यह दायित्व सौंपना चाहिए कि इस अवधि में जिन बच्चों ने स्कूल से अपना नाता तोड़ लिया है, उन्हें वापस जोड़ा जाए। आज देश में बेरोजगारी का जो आलम है, उसे देखते हुए अल्प-शिक्षित पीढ़ियां भविष्य में बड़ा बोझ साबित होंगी। प्रधानमंत्री ने कल ही 'शिक्षक पर्व' का उद्घाटन करते हुए कहा कि शिक्षा न सिर्फ समावेशी होनी चाहिए, बल्कि समान होनी चाहिए। पर ताजा सर्वे इस लक्ष्य के विपरीत हालात दिखा रहा है, जहां गरीब-अमीर, गांव-शहर की शिक्षा में काफी असमानताएं हैं।

ओवल में भारत का ड़ंका

टीम इंड़िया ने इंग्लैंड़ को 157 रन से हराकर ओवल में 50 साल बाद अपना ड़ंका बजा दिया। इस मैदान पर पर भारत ने 1971 में अजित वाड़ेकर के नेतृत्व में विजय प्राप्त की थी। उस जीत के हीरो स्पिनर भगवत चंद्रशेखर थे तो इस जीत का श्रेय जसप्रीत बुमराह की अगुआई वाले पेस अटैक को जाता है। इंग्लैंड़ में पहली पारी में 127 रन पर सात विकेट खो देने के बाद वापसी करके जीत पाने की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। इस जीत से भारत ने पांच टेस्ट की सीरीज में 2-1 की बढ़॰त बना ली है। भारत का इस स्थिति में पहुंचने से इंग्लैंड़ पर मैनचेस्टर में खेले जाने वाले आखिरी टेस्ट में अतिरिक्त दबाव बन सकता है। टीम इंड़िया ने इस साल पहले ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराकर और अब इंग्लैंड़ से दो टेस्ट जीतकर यह साबित कर दिया है कि वह चैंपियन टीम है। सीरीज से यह भी पता चला कि भारतीय टीम अब पेस गेंदबाजी पर निर्भर हो गई है। लाड्‌र्स टेस्ट में जीत के दौरान सभी विकेट पेस गेंदबाजों ने लिए थे। इस जीत में भी भारत के पेस गेंदबाजों ने 14 विकेट निकाले हैं। सही मायनों में शार्दुल ठाकुर का दोनों पारियों में अर्धशतकीय पारियों के खेल ने हालात को भारत के पक्ष में किया। रोहित शर्मा की शतकीय पारी नहीं होती तो पहली पारी में 99 रन से पिछड़ा भारत लड़ाई में आता ही नहीं। पर यह भी सच है कि शार्दुल और पंत ने अर्धशतक नहीं लगाए होते तो भारत 270-280 का ही लक्ष्य रख पाता और इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए इंग्लैंड़ दबाव में नहीं आता। विराट कोहली भारत के सफलतम टेस्ट कप्तान तो पहले से हैं और वह अपने कॅरियर की 38वीं जीत से दुनिया के चौथे सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। अब उनसे आगे ग्रीम स्मिथ, रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ ही हैं। भारत की यह जीत इसलिए भी खास है कि टीम जिन बल्लेबाजों पर निर्भर हैग उनका प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। पुजारा और विराट तो फिर भी थोड़ा-बहुत योगदान कर रहे हैं पर रहाणे तो एकदम से रंगत में नहीं दिखे हैं। इसके बाद भी इंग्लैंड़ को मांद में मात देना मायने रखता है। इंग्लैंड़ दौरे पर एक सीरीज में दो टेस्ट जीतने वाले विराट भारत के दूसरे कप्तान बन गए हैं। इससे पहले कपिल देव ने 1986 में इंग्लैंड़ दौरे पर दो टेस्ट जीते थे। विराट के सामने एक सीरीज में तीन टेस्ट जीतकर सीरीज कब्जाने का भी मौका है।

प्रवीण कुमार सिंह

नीले आकाश में चील

रेडलाइट क्रॉस करने के बाद जैसे ही टैक्सी ने फ्लाइओवर पकड़ा म्यूजिक-प्लेयर का एफएम रेडियो ऑन हो गया। मधुबाला और अशोक कुमार की फिल्म हावड़ा-ब्रिज का गाना बजने लगा-'आइए, बैठिए जान-ए-जां.।
दिल्ली के फ्लाइओवर को कोलकाता के हावड़ा-ब्रिज से मिलाते हुए प्रोफेसर सोचने लगे कि महिलाओं के काम करने के तरीके और सोच में एक अलग प्रकार की खूबी होती है। उन्होंने लेडी टैक्सी-ड्राइवर से पूछा कि वह कहां की रहने वाली है। उसने कहा-'सॉरी सर, हमें पैसेंजर्स को अपनी प्राइवेट लाइफ के बारे में बताना मना है।' प्रोफेसर जवाब सुनकर कुछ हैरान तो हुए लेकिन उन्हें उसका पेशेवर जवाब और आत्मविश्वास अच्छा लगा। उनकी यह मान्यता और दृढ़ हो गई कि महिलाएं पुरुषों से हर मामले में बेहतर हैं। वे चुप हो गए और खिड़की से बाहर पीछे छूटते जा रहे दृश्यों को देखने लगे। फ्लाइऑवरों को पीछे छोड़ती हुई टैक्सी ने जैसे ही इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की लेन में प्रवेश किया, उनके मोबाइल की स्क्रीन पर एक मैसेज चमका। प्राग के कॉन्फ्रेंस ऑर्गनाइजर ने लिखा था कि यूरोप में कोरोना वायरस के कारण हालात खराब हो गए हैं। लोग अचानक मरने लगे हैं। अस्पतालों में जगह नहीं बची है। सख्त लॉकडाउन लगने वाला है, इसलिए कॉन्फ्रेंस रद्द की जा रही है। आकस्मिक खबर थी। प्रोफेसर को शीघ्र ही निर्णय लेना था। उन्होंने ड्राइवर को टैक्सी रोकने के लिए कहा। हवाई-अड्डे से दो किलोमीटर पहले टैक्सी रुकवा कर वे दस मिनट तक बेहद तनाव की स्थिति में चहलकदमी करते रहे। वे मानव जीवन के इस क्रूर संकट के बारे में सोचने लगे। बुद्ध से लेकर गांधी तक अनेक विचारक याद आने लगे। उनके साहस और दुस्साहस की कथाएं याद आने लगीं लेकिन इस क्रूर संकट का कहीं कोई उत्तर नहीं था। उन्होंने आकाश की ओर देखा। वसंत के स्वच्छ विस्तृत नीलेपन में एक चील चक्कर काट रही थी। जैसे मिर्जा गालिब की आवाज में कह रही हो-'सब्जा-ओ-गुल कहां से आए हैं, अब्र क्या चीज है हवा क्या है।' चील के चक्कर काटने में गहरे मौन का नजारा था। ठीक उसी क्षण उन्हें सुभाषित का यह श्लोक भी याद आया-'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥'

हम तालिबानी आंच में कितना तपेंगे

इतिहास के ऐसे कई सवाल हैं, जो बार-बार पूछे जाते हैं, पर उनका कोई जवाब नहीं सूझता। ऐसा ही एक सवाल अलेक्जेंडर (सिकंदर) से उनकी मां ने किया था। मां ने पूछा था कि एक साल में आपने सीरिया, पर्सिया और तुर्की, तीनों देश फतह कर लिए, लेकिन तीन साल से अफगानिस्तान में हैं। आखिर क्यों? अलेक्जेंडर ने जवाब के साथ अफगानिस्तान की मिट्टी वाली एक बोरी भी मां को भेजी और लिखा, यह मिट्टी आप राजमहल के आसपास बिछा दीजिएगा, और अपने सलाहकारों को इनके ऊपर चलने के लिए जरूर कहें। तब तक अलेक्जेंडर का मेसेडोनिया का राजपाट बहुत शांत था। बहुत सुगम तरीके से वहां का राजकाज चल रहा था। मगर जैसे ही मिट्टी बिछाई गई और सलाहकारों ने उस पर चलना शुरू किया, उनमें आपस में मतभेद दिखने लगे। इसका मतलब यह है कि शायद अफगानिस्तान की मिट्टी ही कुछ ऐसी है कि वहां कुछ न कुछ झगड़े-फसाद होते ही रहते हैं।

अफगानिस्तान के इतिहास का दूसरा सबक यह है कि वहां चाहे कितने भी युद्ध हों, लेकिन उसका नजला हमेशा भारत पर गिरता रहा है। सिकंदर भी जब अफगानिस्तान से हटा, तो वह भारत आया। मंगोल और मुगल शासकों ने भी अफगानिस्तान को ही मानो अपना 'ट्रांजिट स्टेशन' बनाया और निशाने पर हिन्दुस्तान को लिया। यानी, दुर्भाग्य से अफगानिस्तान में जो कुछ भी होता है, उसका हम पर असर होता है। हम उससे पीड़ित रहे हैं। फिर चाहे सोने की चिड़िया होने की वजह से हम पर धावा बोला जाता हो अथवा हमारी कमजोरियों के कारण। इसीलिए इतिहास बार-बार हमसे यह सवाल भी करता है कि आखिर हमने ऐसा कुछ क्यों नहीं किया कि आततायी हमारे यहां आने से डरें? यही वजह है कि काबुल पर तालिबानी कब्जे के बाद फिर से यह चिंता जाहिर की जाने लगी है कि कश्मीर में इसका क्या असर होगा? खासतौर से, तालिबान के पहले शासनकाल को देखते हुए यह चिंता कहीं ज्यादा गहरी है। मगर इसके साथ-साथ हमें खुद से यह सवाल भी करना चाहिए कि आखिर क्यों वे कश्मीर में आएंगे? क्या हम इतने अमीर हो गए हैं कि फिर से सोने की चिड़िया बन गए हैं या हम इतने कमजोर हो गए हैं कि कोई भी हमें धमका सकता है? आखिर ऐसी चिंता ईरान, पाकिस्तान, चीन, यहां तक कि रूस को क्यों नहीं है?

> हमें खुद से प्रश्न करना चाहिए कि तालिबान आखिर क्यों कश्मीर में आएंगे? क्या हम इतने कमजोर हो गए हैं कि कोई भी हमें धमका सकता है?

देखा जाए, तो कश्मीर को लेकर यह चिंता वाजिब है। खबर यही है कि अब अफगानिस्तान में 3.75 लाख सैनिक (तीन लाख के करीब अफगान सुरक्षा बल और 75 हजार के लगभग तालिबानी लड़ाके) हो गए हैं। इतनी बड़ी फौज को पालने की क्षमता अभी तालिबान की नहीं है। अपनी जरूरत और राजकोष की स्थिति को देखते हुए मुमकिन है, 70-80 हजार जवानों को ही तालिबान नियुक्त करे। शेष तीन लाख जवान आखिर करेंगे क्या? इसका जवाब 2015 में आई अपनी किताब ह्वेर बॉडर्स ब्लीड में मैंने दिया है। शुजा नवाज की किताब क्रॉस्ड सोड्‌र्स के हवाले से एक प्रसंग का जिक्र करते हुए मैंने लिखा है कि 1994 में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अफगानिस्तान के सदर रब्बानी से कश्मीर के लिए कुछ लड़ाकों की मांग की। उसे उम्मीद थी, दस हजार लड़ाके तो मिल ही जाएंगे। मगर अफगानिस्तान के राष्ट्रपति ने कहा कि वह तो पांच लाख तक रंगरूट दे सकते है। सोचिए, जब पिछली सदी के आखिरी दशक में महज दस हजार लड़ाकों के साथ आईएसआई कश्मीर को अशांत कर सकती थी, तो आज उसके पास बारास्ते अफगानिस्तान तीन लाख लड़ाके हैं, जो प्रशिक्षित भी हैं और कट्टर भी।

सवाल यह है कि हम हमेशा चिंता में ही रहेंगे या फिर इसका कोई स्थायी समाधान निकालेंगे? हमें जाहिर तौर पर दीर्घकालिक हल की ओर बढ़ना चाहिए। सावधान रहना बेशक जरूरी है, लेकिन समझदारी से मसले को सुलझाना कहीं ज्यादा जरूरी है। और, स्थायी समाधान यह है कि हमें पाकिस्तान के साथ इस तरह से पेश आना चाहिए कि वह भविष्य में हमें परेशान करने की जुर्रत न कर सके। इसके लिए हम कई तरह के उपाय कर सकते हैं। मसलन, आर्थिक मोर्चे पर हम उसे सीधी चोट तो नहीं दे सकते, क्योंकि उसके साथ हमारा बहुत ज्यादा कारोबार नहीं होता, लेकिन अमेरिका को यह बताया जा सकता है कि अगर वह हमारा और खुद अपना हित चाहता है, तो उसे पाकिस्तान की नकेल कसनी होगी। इस्लामाबाद को हर साल अरबों डॉलर की भेजी जा रही इमदाद उसे बंद करनी होगी। इतना ही नहीं, जिन-जिन वैश्विक संस्थानों से उसे मदद मिलती है, उन पर भी दबाव बनाना होगा। अमेरिका को यह समझना होगा कि अफगानिस्तान में उसकी जो आज बेइज्जती हुई है, उसकी मूल वजह पाकिस्तान ही है।

दूसरा तरीका कूटनीति हो सकता है, लेकिन इसकी एक सीमा है। यह तभी काम करती है, जब कोई देश सैन्य और आर्थिक रूप से मजबूत हो। आज के माहौल में पाकिस्तान की कूटनीति काफी व्यापक हो गई है। फिर चाहे चीन के साथ उसके रिश्ते हों या हमारे पुराने दोस्त रूस के साथ। आलम यह है कि रूस भी पाकिस्तान का राग अलापने लगा है। उसके प्रतिनिधि कुछ बरसों में कई बार ऐसे बयान दे चुके हैं, जिसमें उन्होंने अफगानिस्तान में भारत की भूमिका को कठघरे में खड़ा किया है। हमें सोचना होगा कि अगर रूस हमसे खफा है, तो इसकी वजह क्या है? क्या सारा दोष मास्को का है या फिर नई दिल्ली का रुख भी इसके लिए कुछ हद तक जिम्मेदार है? अफगानिस्तान मसले पर रूस का रवैया हमारे लिए परेशानी का सबब हो सकता है। ऐसे में, कश्मीर में हालात को लेकर अभी ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता। यह काफी कुछ पाकिस्तान की नीयत से भी तय होगा कि आतंकवाद को फिर से हवा देने को लेकर इस्लामाबाद आखिर क्या सोचता है, क्या आज उसके लिए आदर्श स्थिति है या कितना तनाव वह मोल लेने को इच्छुक है? इन तमाम सवालों के जवाब हमें जल्द ही मिल जाएंगे।

उ.प्र. में रहस्यमय बुखार

चिकित्सा तंत्र की नाकामी से बदतर हालात

रहस्यमयी बाल बीमारी ने हमारी नाकामी की एक ऐसी तस्वीर उजागर की है, जिसकी भरपाई हम सालों पहले कर सकते थे। भारत में शिशु अस्पतालों और बाल-चिकित्सकों की भारी कमी है, जिसका खमियाजा नौनिहाल अपने असमय मौत से चुका रहे हैं। कुदरत मानव पर पीड़ाओं का दौर किस्तों में दे रहा है। कोरोना संकट हो, कुदरती आपदाएं हों और अब रहस्यमयी बुखार ने समूचे उत्तर प्रदेश में हाहाकार मचाया हुआ है। अगस्त-सितंबर के ये दो महीने ऐसे होते हैं जो नौनिहालों पर कहर बनकर टूटते हैं, बीमारियों के लिहाज से मुसीबतों से भरे होते हैं। गोरखपुर में हो या मुजफ्फरपुर में बेमौत मरने वाले बच्चों का मामला, एकाध दशक से चलन कुछ ऐसा चल पड़ा है कि इन्हीं दिनों में बच्चों को अंजानी बीमारियां घेरती हैं। बीते दो सप्ताह से उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में रहस्यमय बुखार ने तांडव मचा रखा है, जिसने सैकड़ों बच्चों को अपनी चपेट में लिया हुआ है। इस अबूझ बीमारी को थामने में सभी प्रयास भी नाकाफी साबित हो रहे हैं। चिकित्सकों द्वारा बीमारी पर नियंत्रण नहीं पाने से एक तस्वीर उभरकर सामने आई है कि हिंदुस्तान में अब भी शीशु अस्पताल और बाल-चिकित्सकों की कितनी कमी है।

बहरहाल, इस घातक बीमारी से कुछ जिले तो बुरी तरीके से प्रभावित हैं। अकेले फिरोजाबाद में ही अस्सी से अधिक नौनिहाल मौत के काल में समा चुके हैं। घरों के आंगनों में किलकारियों की जगह मातम और चीखों की पुकारें ही सुनाई पड़ती हैं। ज्यादातर बच्चे स्वास्थ्य विभाग की अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ रहे हैं। हालांकि विभाग तात्कालिक कोशिशों में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए हुकूमत ने समूचे स्वास्थ्य अमले को अलर्ट कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी रहस्यमय बुखार से प्रभावित क्षेत्रों में तैनात हैं। लेकिन स्थिति फिर भी काबू से बाहर है। रहस्यमय बुखार से बच्चे अचानक बीमार पड़ रहे हैं। बुखार आने के कुछ ही समय में बच्चे तेज बुखार से तपने लगते हैं और देखते ही देखते अचेत हो रहे हैं। बीमारी के शुरुआती लक्षणों को चिकित्सक भी नहीं पकड़ पा रहे। वे जब तक किसी नतीजे पर पहुंचते हैं, बहुत देर हो जाती है।

ये तल्ख सच्चाई है कि आपातकालिक बीमारियों से निपटने के लिए हमारा स्वास्थ्य तंत्र आज भी उतना सशक्त नहीं, जितनी आवश्यकता है। जब अगस्त-सितंबर में ऐसी बीमारियों से बच्चे प्रभावित होते हैं, तो पूर्व में तैयारियां कर लेनी चाहिए, लेकिन शायद हम घटनाओं के घटने का ही इंतजार करते हैं। बच्चों में वायरल, बुखार, निमोनिया, चेचक, पेचिस, दिमागी बुखार, अन्य मौसमी संक्रमण आदि रोग इन्हीं बरसाती दिनों में ज्यादा मुंह फाड़ते हैं, बावजूद इसके हमारा स्वास्थ्य विभाग पूर्व की तैयारियों में विश्वास नहीं करता। हालात ऐसे हैं कि बच्चों को उपचार नहीं मिल पा रहा। मथुरा, बरेली, बस्ती, आगरा व सबसे ज्यादा प्रभावित जिला फिरोजाबाद के सरकारी अस्पतालों का हाल अब भी रामभरोसे है।

दरअसल, ये व्यवस्था बताती है कि तुरंत आने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने को हमारी तैयारियां कैसी हैं। उत्तर प्रदेश शासन ने सूबे के सभी सीएमओ और अस्पताल कर्मियों को ऐसी आपात स्थिति में लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया हुआ है। लेकिन अस्पतालों का आलम जस का तस है। आपात स्थिति में स्वास्थ्यकर्मी भी हाथ खड़े कर देते हैं। बहरहाल, अंदेशा कोरोना की तीसरी लहर का था, लेकिन उससे पहले इस अंजानी बीमारी ने आकर कहर बरपा दिया। कोरोना की संभावित तीसरी लहर को लेकर सरकारों का दावा था कि उनकी तैयारी जबरदस्त है। सच्चाई ये है कि प्रभावित जिलों में बच्चों के लिए अस्पतालों में अतिरिक्त बिस्तरों की व्यवस्था उसी वक्त की गई।

हालात देखकर मुख्यमंत्री अपने दूसरे कामों को छोड़कर सिर्फ स्वास्थ्य तंत्र पर नजर बनाए हुए हैं। दरअसल बच्चों का दर्द किसी को भी बेहाल कर देता है। बच्चों से संबंधित जिस तरह से घटनाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए केंद्र व राज्य सरकारों को बाल-चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। अस्पतालों में बाल स्वास्थ्य से संबंधित संसाधनों को बढ़ाना चाहिए, शीशु रोग अस्पतालों, बाल-चिकित्सकों और विशेषज्ञों की अतिरिक्त तैनाती पर ध्यान देना होगा।

पेरा एथलीट

जज्बे को सलाम

भारत में आजकल जश्न का माहौल है। वजह भारतीय पैरा एथलीटों का टोक्यो ओलंपिक में पांच स्वर्ण पदक सहित 19 पदक जीतकर इतिहास रचना है। देश को इन खेलों में पदक जीतने वाले 17 खिलाड़ियों के रूप में रियल हीरो मिल गए हैं। स्वर्ण पदक जीतने वाले मनीष रावल, अवनि लेखरा, सुमित अंतिलग प्रमोद भगत और कृष्णा नागर का दर्जा सुपर स्टार वाला हो गया है। कुछ दिनों पहले ओलंपिक खेलों में नीरज चोपड़ा की अगुआई में भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने से देश में बने खुशी के माहौल को पैरा एथलीटों की इस सफलता ने खुशी से सराबोर कर दिया है।

पैरालंपिक में भारत पहले भी भाग लेता रहा है पर इस बार जिस तरह से इन खेलों ने सुर्खियां हासिल की हैं, वैसा पहले कभी देखने को नहीं मिला। इन खेलों का आयोजन तो 1960 से हो रहा है। भारत ने 1968 यानी तीसरे पैरालंपिक से भाग लेना शुरू किया। पिछले 53 सालों में हम सिर्फ12 पदक जुटा सके थेग लेकिन इस बार पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य पदक जीतने से देश में इन खेलों की लोकप्रियता एकदम से बढ़ गई है। सच यह है कि इन खेलों से पहले टोक्यो में हुए ओलंपिक खेलों में हम इस बार इस तरह के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे थे पर हमारे खिलाड़ी ओलंपिक में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बाद भी चमकदार प्रदर्शन नहीं कर सके थे। पर पैरा एथलीटों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर 19 पदक हासिल कर 24वां स्थान हासिल किया औा देश को अपना मुरीद बना लिया है। पिछले कुछ सालों से पैरा एथलीटों को लेकर थोड़ी जागरूकता बढ़॰ी है। पहले देश में पैरा एथलीटों को बहुत गंभीरता से नहीं लिया जाता था। पहले पैरालंपिक जैसे खेलों में पैरा एथलीटों को भेजने को लेकर कोई गंभीरता नहीं रहती थी। न ही उनके पदक जीतकर लौटने पर जश्न का माहौल बनता था।

यही वजह है कि भारत ने 1976 और 1980 के खेलों में भाग ही नहीं लिया। जब कभी भाग भी लेते थे तो छोटे दल भेज दिए जाते थेग लेकिन इस बार भारत ने 54 सदस्यीय दल भेजा और नौ खेलों में भाग लिया। इससे तो लगता है कि पैरा एथलीटों को और ढंग से तैयार किया जाए तो भारत टॉप 20 में आसानी से आ सकता है। राज्य सरकारें अपने खिलाड़ियों के पदक जीतने पर करोड़ों के इनाम देने की घोषणा कर रही हैं। प्रधानमंत्री का पदक विजेताओं से फोन पर बात करके बधाई देने से उनका मनोबल बढ़ना स्वाभाविक है। हमें अपनी इस कमजोरी से उबरना होगा कि खिलाड़ियों के चमक बिखेरने के समय तो ऐसा माहौल बनाया जाता है कि अब उन्हें कोई दिक्कत नहीं होने वाली है। कुछ दिनों बाद सब कुछ भुला दिया जाता है। असल में हमें अभी से तीन साल बाद पेरिस में होने वाले पैरालंपिक खेलों की तैयारी में जुट जाना चाहिए। सही मायनों में दिव्यांगों का खिलाड़ी बनना ही जज्बे की बात है। दिव्यांग खिलाड़ी की सफलता लाखों दिव्यांगों को अपनी मुश्किलों से पार पाने की प्रेरणा देती है। इन खेलों की बैड़मिंटन के एसएच -6 वर्ग में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीतने वाले कृष्णा नागर कद विकार के शिकार हैं। मात्र चार फुट पांच इंच के हैं। उनके बारे में लोग कहा करते थे कि लंबाई नहीं होने से जिंदगी में कुछ नहीं कर पाएगा। कृष्णा कहते हैं कि इस तरह की सोच वालों के लिए मेरा स्वर्ण पदक जवाब है।

असल में छोटे शहरों और कस्बों में किसी की शारीरिक अपंगता का मजाक उड़ाया जाना आम है। लंगड़ग टोंटग गट्ठूजैसे शब्द विकृति सोच की उपज हैं पर पैरा एथलीटों की सफलताएं ऐसी सोच को बदलने में कामयाब हो सकती हैं। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी दिव्यांग के लिए अपनी कमजोरी को भुलाना आसान बात नहीं होती है। किसी भी दिव्यांग का फोकस बदलने में घर वालों और आसपास के लोगों की भूमिका अहम रहती है। इन खेलों में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने वाली और समापन समारोह में ध्वज वाहक अवनि लेखरा के सामने एक दौर ऐसा था, जब लगता था कि वह अपना जीवन कैसे काटेंगी। 2012 में धौलपुर से पिता के साथ जयपुर घर लौटते समय कार दुर्घटना में उनकी रीढ़॰ की हड़्डी में लगी चोट की वजह से वह एक समय अवसाद में चली गई थीं, लेकिन पिता ने हिम्मत नहीं हारी और उन्हें ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा की आत्मकथा लाकर दी और इससे प्रेरित होकर उनके मन में निशानेबाज बनने की अभिलाषा जागी और अब वह देशवासियों के सामने रियल हीरो की तरह खड़ी हैं। अवनि की ही तरह हर पैरा एथलीट की प्रेरणा देने वाली कहानी हैग इसलिए इन खेलों में पदक जीतने वाले और भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को सलाम।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

पति की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

धूमधाम से हरतालिका तीज त्यौहार मनाया गया

बुधनी। श्री विश्वकर्मा मंदिर में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी धूमधाम से हरतालिका तीज त्यौहार मनाया गया। सुबह से निर्जल व्रत रखकर महिलाएं नर्मदा घाट पर स्नान कर मिट्टी के शंकर भगवान बना कर एवं फूलों से रंगीन फुलेरा बनाकर उसका विधि विधान से पूजन पंडित राकेश पाराशर ने कराय। इस पूजन के बाद आरती की गई। फिर देर रात तक महिलाओं ने शंकर भोलेनाथ के जागरण करके भजन गाए। सुबह नर्मदा जल में फुलेरा का विसर्जन किया। तीजा करने वाली महिलाओं में कंचन शर्मा,सुजाता शर्मा,भावना शर्मा, उर्मिला साहू,सुनीता ठाकुर, दामिनी मीणा,प्रीति शर्मा, विद्या देवी,कमलेश देवी,रानू विश्वकर्मा,विमला वर्मा, कोटी ठाकुर अनेक महिलाएं एकत्रित होकर पूजन किया।

निर्जला व्रत रखकर की भगवान शिव-पार्वती की आराधना

पन्ना, (एजेंसी)। भगवान शिव को पाने की कामना से मां पार्वती द्वारा रखा गया व्रत जिसे हरितालिका का व्रत भी कहा जाता है। इसी व्रत को रखकर मां पार्वती ने भगवान शिव को अपना वर समझ उनकी कामना की। इसी की तर्ज पर आज भी यह परम्परा कायम है और हिन्दू धर्म में हरितालिका व्रत का विशेष महत्व रहता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु व युवतियां अच्छा वर पाने की मंशा से भगवान शिव-पार्वती का हरितालिका व्रत रखती है और मनोवाच्छित फल पाने की कामना करती है। हरितालिका व्रत को लेकर बाजार में खासी रौनक देखी गई। जिसमें भगवान शिव पार्वती की प्रतिमा, फुलवारे खरीदने के लिए लोग व्याकुल हो रहे थे। शाम होते ही महिलाओं द्वारा अपने-अपने पूजा स्थल को साफ सुथरा कर फूलों से सजा फुलवारा लगाया उसके नीचे शिव पार्वती की प्रतिमा रख पूजा अर्चना की।

गणेश उत्सव पर्व की हुई शुरुआत

महिलाओं ने किया रात्रि जागरण

हिन्दू समाज में महिलाओ का सबसे कठिन व्रत हरितालिका तीज व्रत होता है। इस व्रत में महिलाएं निर्जला बिना जल, अन्न ग्रहण किए चौबीस घण्टे इस व्रत को रखती है। पुरानी कथानुसार यह व्रत भगवान शंकर जी को पाने के लिये माता पार्वती ने यह व्रत रखा था। जिस परम्परा को हिन्दू समाज की महिलाएं आज भी निभाती चली आ रही है। इस व्रत में फूलो के फुलारा के नीचे भगवान शंकर एवं माता पार्वती की प्रतिमा रखकर सारी रात देवी जागरण कर रतजगा किया।

दो अलग मामलों में सर्पदंश से दो बालकों की मौत

अजयगढ़। तहसील क्षेत्र अंतर्गत रात सर्पदंश के अलग-अलग मामलों में 2 बालकों की मृत्यु एवं 2 महिलाओं की हालत गंभीर है। ग्राम सिद्धपुर में बुधवार शाम सर्पदंश का शिकार हुए 12 वर्षीय बालक की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई है। परिजन ने बताया कि 8 सितंबर की शाम 6 बजे अंशू पटेल पिता देशराज पटेल 12 वर्ष घर के पास खेलते हुए अपने साथी के साथ खेत की ओर जाने लगा तभी बालक के पैर में सर्प ने डस लिया।

अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों बच्चे ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर इसी प्रकार ग्राम पंचायत नारायणपुर अंतर्गत ग्राम मझगवां में 8 सितंबर की रात अपनी मां के साथ सो रहे बालक शिवम पिता मुकेश लोधी उम्र 4 वर्ष को सर्प ने डस लिया बालक के रोने की आवाज सुनकर मां की नींद खुल गई जिसने सांप को भागते हुए देखा और परिजनों को सूचना दी बालक को लेकर तत्काल परिजन अस्पताल के रवाना हुए पर बालक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

संक्षिप्त खबर

इंदौरः एयर इंडिया ने की सितंबर में 14 उड़ानें निरस्त

इंदौर। एयर इंडिया ने हर मंगलवार और गुरुवार को मुंबई से इंदौर आकर दिल्ली जाने वाली सितंबर महीने की अपनी सभी उड़ानें निरस्त कर दी है। इसमें नौ सितंबर गुरुवार की फ्लाइट भी शामिल हैं। इस तरह पूरे महीने की 14 उड़ानें निरस्त की गई हैं। कंपनी के अधिकारियों ने शासन के आदेश का हवाला दिया है कि 60 प्रतिशत उड़ानों का ही संचालन किया जाना है। एयर इंडिया के अचानक हुए इस फैसले से तय उड़ानों में बुकिंग कर चुके यात्री परेशान हो रहे हैं। बहरहाल रोजाना शाम को चलने वाली दिल्ली-इंदौर-मुंबई की उड़ान जारी रहेगी। इससे पहले भी कंपनी ने एक से 15 अगस्त के बीच की इन उड़ानों को निरस्त कर दिया था। उस समय कंपनी ने इन उड़ानों को मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार के लिए निरस्त किया था।

सागरः दुर्ग-जम्मूतवी-दुर्ग सुपरफास्ट 14 से चलेगी

सागर। रेलवे ने एक और ट्रेन को चलाने की अनुमति दे दी है। छत्तीसगढ़ के दुर्ग से रायपुर, बिलासपुर, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, सागर होते हुए दिल्ली व जम्मूतवी तक जाने वाले साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन को 14 सितंबर से चलाया जाएगा। इसका सीधा फायदा मप्र व छग के यात्रियों के लिए होगा। इसके पहले रेलवे प्रबंधन ने भोपाल-बिलासपुर ट्रेन को 17 सितंबर से चलाने का निर्देश दिया था। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधाओं एवं मांग को ध्यान में रखते हुये गाड़ी संख्या 08549/08550दुर्ग-जम्मूतवी-दुर्ग साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का परिचालन प्रारम्भ किया जा रहा है।

शहडोलः प्रेमिका के घर के सामने युवक ने लगाई फांसी

शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र के रीवा रोड बाइपास के समीप सुरेंद्र प्रसाद गर्ग ने प्रेमिका के घर के सामने दरवाजे में फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली है। मृतक के पास से सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उसने मौत का कारण प्रेमिका को बताया है। बाणगंगा बायपास मार्ग अंचल परिसर के बगल में एक महिला किराए से रहती थी, उसके दरवाजे के ठीक सामने 39 वर्षीय युवक ने मौत को गले लगा लिया है। महिला के घर के दरवाजे के सामने ही सुरेंद्र प्रसाद ने फांसी लगाई है। गुरुवार की सुबह जब लोगों ने घर के बाहर फांसी में झूले एक व्यक्ति को देखकर खबर पुलिस को दी, सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान सुरेंद्र प्रसाद गर्ग निवासी पिपरता थाना बुढार का होना बताया है।

इंदौरः होटल को प्रशासन ने छापा मारकर किया सील

इंदौर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के 'स्वच्छ इंदौर सुरक्षित इंदौर' के संकल्प को सार्थक रूप देने कलेक्टर मनीष सिंह के निर्देशन में प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी गुरुवार को राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई के तहत भवरकुआं थाना के पास स्थित होटल 25 आवर्स सील कर दिया गया। अपर कलेक्टर पवन जैन ने बताया कि होटल में संदेहास्पद गतिविधियां संचालित थी। यहां लोगों की आइडेंटिटी भी स्पष्ट नहीं थी। जिला प्रशासन द्वारा होटल 25 अवर्स पर छापामार में छापा मारा और तो होटल में रुके मेहमानों का कोई रिकॉर्ड चेक किया, जो नहीं मिला, न ही किसी प्रकार की इंट्री मिली। नाम पते भी गलत मिले, वहीं मेहमानों से पहचान पत्र भी नहीं मिले। पुलिस ने होटल सील किया।

ग्वालियरःपत्नी मायके से नहीं लौटी तो पति ने दी जान

ग्वालियर। शिवनगर कुम्हरपुरा के अवधेश राठौर ने बुधवार की रात को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक मैकेनिक का काम करता था। पता चला है कि मृतक की पत्नी रक्षाबंधन मनाने मायके गई थी। युवक ने पत्नी को मायके से बुलाने काल किया। पत्नी ने बच्चों के साथ घर आने से इनकार कर दिया। इससे नाराज होकर युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थाटीपुर थाना पुलिस ने घरवालों की सूचना पर मर्ग कायम कर लिया है। शिवनगर निवासी अवधेश के दो बच्चे हैं। अवधेश की पत्नी रक्षाबंधन मनाने के लिए बच्चों के साथ मायके गई थी। पति से कुछ अनबन हो जाने के कारण वह लौटने के लिए तैयार नहीं थी। बुधवार रात उसने पत्नी को काल लगाकर घर आने के लिए कहा था।

सुकमाः नक्सली सोढ़ी मुया ने किया समर्पण

सुकमा। आठ लाख के इनामी नक्सली केरलापाल एरिया कमेटी का सचिव सोड़ी मुया ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस ने मुया के 20 से अधिक बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल होने की बात कही है। 8 लाख इनामी सोड़ी मुया ने सुकमा एसपी सुनील शर्मा और सीआरपीएफ डीआईजी योग्यान सिंह के मौजूदगी में आत्मसमर्पण किया। मुया मिलिट्री दलम पर कंट्रोल, लेवी वसूली के अलावा संगठन से जुड़ी गतिविधियों का संचालन करता था. आत्मसमर्पण के पहले नक्सली प्रवक्ता साईनाथ ने पर्चा जारी कर संगठन से निकाले जाने की बात कही थी।

खादी के वस्त्रों को डिजाइन कर जीतें आकर्षक पुरस्कार

तीन अक्टूबर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

भोपाल, (प्रसं)। मप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड भोपाल द्वारा युवा वर्ग को खादी के प्रति आकर्षित करने खादी वस्त्रों की डिजाइनिंग के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, इसके लिए एमपी डाट माय जी ओवी डाट इन के माध्यम तीन अक्टूबर तक प्रविष्टियां प्राप्त की जाएंगी।

मप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड आयोजित करेगा प्रतियोगिता

मप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड भोपाल द्वारा खादी वस्त्रों के प्रचार-प्रसार एवं युवा वर्ग को खादी के प्रति आकर्षित करने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नवीन और खूबसूरत डिजाइंस के खादी वस्त्रों को बाजार में लांच करने की योजना है। इसके लिए बोर्ड द्वारा एमपीडाटमायजीओवीडाटइन पोर्टल पर खादी वस्त्रों की डिजाइनिंग के लिए एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रविष्टियां 3 अक्टूबर तक प्राप्त की जाएंगी। प्रतियोगिता का आयोजन महिलाओं और युवाओं के लिए भारतीय और पश्चिमी परिधानों की डिजाइनों का सम्मिश्रण करते हुए नवीन डिजाइन तैयार करने के लिए किया जा रहा है। इसके लिए दोनों संवर्गो में दो-दो उत्कृष्ट डिजाइनों का चयन कर प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा श्रेष्ठ प्रविष्टि के लिए मापदंड निर्धारित किए गए हैं, जिनमें भारतीय तथा पश्चिमी परिधानों का सम्मिश्रण, सिलाई में सुविधाजनक, कपड़े का अनुकूलतम उपयोग, देश-प्रदेश की रंगाई, छपाई, संस्कृति को दर्शाने वाली डिजाइन का प्रयोग, विजेताओं द्वारा तैयार किए गए डिजाइन का स्केच तथा अन्य आवश्यक जानकारी शामिल हैं।

छिंदवाड़ा में हृदयविदारक हादसा, ग्रामीणों ने की दुर्घटनाग्रस्त लोगों की मदद

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, चार बच्चों की मौके पर मौत, 2 गंभीर

छिंदवाड़ा (एजेंसी)।

छिंदवाड़ा जिले में दर्दनाक सड़क हादसा गुरुवार की रात 9 बजे हुआ है। तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे 4 बच्चों की मौत हो गई है, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल है। यह हादसा बैतूल रिंग रोड के पास गोरिया में हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार देर शाम गुरैया के रिंग रोड के पास एक आयशर ट्रक ने पीछे से कार को टक्कर मार दी, जिससे कार सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में जा गिरी। इस दुर्घटना में 4 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो लोग घायल हैं। बताया जाता है कि ट्रक काफी तेज रफ्तार में था, उसने कार को पीछे से टक्कर मारी है। हादसे में मयूरी गुल्ली और एक अन्य बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक ने अस्पताल जाते समय दम तोड़ दिया। खबर लगते ही ग्रामीणों ने घायलों को कार से बाहर निकाला और एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। कार नागपुर की है, पुलिस ने ट्रक जब्त करके मामला विवेचना में लिया है।

फ्लैट में चल रहे लाखों के ऑनलाइन सट्टे का भंडाफोड़

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने फ्लैट में चल रहे लाखों रुपए के आन लाइन सट्टे का भंडाफोड़ कर दो आरोपियों को बंदी बनाया है।

आरोपियों के पास से 6 मोबाइल, 3 कैल्कुलेटर, नगदी 13350/- सहित लाखों रुपए की सट्टा पर्ची मौके से बरामद। आरोपी विगत तीन माह से फ्लेट किराए से लेकर ऑनलाइन का सट्टा चला रहे थे। आरोपी इंदौर ही नहीं आसपास के कई स्थानों से ऑनलाइन सट्टे के सौदे कर रहे थे। इनसे पूछताछ में कई और सटोरियों के सुराग मिलने के आसार हैं। आपरेशन क्राइम कंट्रोल के तहत पुलिस ने खास इनफारमर्स की टीम को सक्रिय किया है। क्राइम ब्रांच ने बिचोली मर्दाना में देव वन मल्टी फ्लेट न. 202 में अवैध रुप से सट्टा संचालित हो रहा है ।टीम ने कनाड़िया पुलिस के साथ संयुक्त रुप कार्रवाई की जिसमें आरोपी अशोक पिता आनंद राव मराठा को पकड़ा है।

सहकारी बैंक से 80 लाख रुपए गबन में मैनेजर समेत पांच सस्पेंड, एक बर्खास्त

उज्जैन (एजेंसी)।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की घट्टिया शाखा में करीब 80 लाख रुपयों के गबन के मामले में बैंक मैनेजर सहित 5 को सस्पेंड कर दिया गया है। एक को बर्खास्त किया है। मामला पुलिस को सौंपा जा रहा है। जांच के बाद एफआईआर हो सकती है। गुरुवार को संयुक्त पंजीयक (जेआर) बीएल मकवाना ने मैनेजर महेशचंद्र राठौर, पूर्व मैनेजर शिव हरदेनिया, कैशियर सुमेरसिंह, क्लर्क सोनमसिंह, सत्येंद्र शर्मा को सस्पेंड किया गया है। आउट सोर्स पर रखे गए क्लर्क कैलाश चौधरी को सेवा से हटाया गया है। जांच रिपोर्ट में पाया गया है कि 2019 से गबन का ये खेल चल रहा था।

तब से अब तक 17 किसानों के नाम से फर्जी खातों में पैसा डाला और निकाला गया। इस तरह 2021 तक गबन की राशि करीब 79.39 लाख रुपए तक पहुंच गई। गबन उजागर होने के बाद घट्टिया शाखा के कैशियर सुमेरसिंह परिहार को पहले ही कैशियर पद से हटाया जा चुका है। अब चिमनगंज कृषि मंडी बैंक के मैनेजर महेंद्र जाटवा को नया मैनेजर बना दिया है। मंडी में नए मैनेजर को भेजा जाएगा। बैंक की 30 शाखाएं हैं।

फर्जी खातों से किया खेल

- 12 जुलाई से 15 जून 2021 के बीच खातेदारों के नाम से पैसा डाला गया।
- 21 मई 2021 तक राशि जमा की जाती रही।
- किसानों को कर्ज की राशि सेविंग अकॉउंट में जमा की जाती है।
- सेविंग खाते में त्रुटि होने यानी आधार या पैन कार्ड न होने पर दूसरे मद में डाला जाता है।
- यह पैसा कहीं भी दिखाई नहीं देता।
- इससे सोसायटी और बैंक दोनों को ब्याज की चपत भी लगती है।
- क्योंकि ये पैसा लंबे समय तक पड़ा रहता है।
- नए कर्मचारियों की आईडी लेकर भी ये खेल किया गया।

इनका कहना

घट्टिया शाखा में लाख रुपये का गबन हुआ है। जांच रिपोर्ट के आधार पर मैनेजर सहित चार को निलंबित किया है। एक को सेवा मुक्त भी किया गया है। पुलिस को भी मामला जांच के लिए देंगे।

बीएल मकवाना, संयुक्त पंजीयक व प्रशासक

लोकायुक्त टीम ने पांच हजार की रिश्वत लेते पटवारी को पकड़ा

मण्डला, (एजेंसी)। जिले की नैनपुर तहसील अंतर्गत आनेवाला हल्का नंबर 9 ग्राम पाठासिहोरा में पदस्थ पटवारी केशव ठाकुर को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गुरुवार को लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने रंगे हाथों पकड़ा है। मिली जानकारी के अनुसार चन्द शेखर तिवारी निवासी मंडला महाराजपुर के द्वारा 7 सितंबर को लोकायुक्त जबलपुर के समक्ष शिकायत की गई कि जमीन नामंत्रण व ऋण पुस्तिका बनाकर देने के नाम पर पटवारी 5 हजार रूपये की मांग कर रहा है। जिस पर गुरुवार को जबलपुर लोकायुक्त की टीम नैनपुर पहुंची और पटवारी केशव ठाकुर को चन्द शेखर तिवारी से रिश्वत की रकम लेते रंगे हाथों पकड़ा है। लोकायुक्त जबलपुर की टीम में निरीक्षक कमल सिंह उइके, रंजीत, अतुल श्रीवास्तव, विजय विष्ट, जुबेदा खान, जीत सिंह शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

मप्र के संस्थानों को भी टॉप 100 में मिला स्थान

टॉप 10 विवि

1.भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, 2. जवाहर लाल नेहरू विवि, नई दिल्ली, 3. बीएचयू, बनारस 4. कलकत्ता विवि, कोलकाता, 5.अमृता विश्वविद्यापीठम, कोयंबटूर 6. जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली 7. मनिपाल एकेडेमी ऑफ हायर एजुकेशन, मनिपाल 8.जाधवपुर विवि कोलकाता, 9. हैदराबाद विवि, हैदराबाद, 10. अलीगढ़ मुस्लिम विवि, अलीगढ़

टॉप- 5 आर्किटेक्चर कॉलेजः आईआईटी, रुड़की, एनआईटी, कालीकट, आईआईटी, खड़गपुर स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, दिल्ली, सेंटर फॉर एन्वॉयरन्मेंटल प्लानिंग एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद

टॉप- 5 फार्मेसी कॉलेजः जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, पंजाब विवि, चंडीगढ़, बिरला प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, पिलानी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च मोहाली, रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई

टॉप - 5 इंजीनियरिंग कॉलेजः आईआईटी मद्रास, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी कानपुर, आईआईटी खड़गपुर

टॉप - 5 मेडिकल कॉलेजः एम्स, दिल्ली, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, सीएमसी, वेल्लोर, एनआईएमएएनएस, बेंगलुरु ,एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ

टॉप- 5 प्रबंधन संस्थान

आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम बेंगलुरु, आईआईएम कलकत्ता, आईआईएम कोझीकोड, आईआईटी दिल्ली

एनजीटी ने लगाई पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड व मप्र सरकार को फटकार

गाडरवारा, (एजेंसी)। गाडरवारा स्थित नर्मदा शुगर मिल व शक्ति शुगर मिल द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रदूषणों को रोकने व दोनों मिलो पर विधिसम्मत कार्यवाही करने को लेकर फरवरी माह में नागरिक उपभोक्ता मंच के प्रांतीय संयोजक मनीष शर्मा व नरसिंहपुर जिला संयोजक पवन कौरव द्वारा एनजीटी दिल्ली में एक जनहित याचिका दायर कर प्रदूषण को रोकने व पर्यावरण प्रदूषण करने पर दोनो शुगर मिलो पर कार्यवाही करने की मांग की गई थी। कोरोनो काल के कारण मिल संचालन के समय पूरे मामले में सुनवाई नही हो सकी थी 24 मई को इस पूरे मामले की सुनवाई दिल्ली एनजीटी की प्रिंसिपल बेंच में हुई जिसमें बेंच ने 6 सप्ताह में पूरे मामले में कलेक्टर नरसिंहपुर को एक कमेटी बनाकर जांच कर जांच रिपोर्ट 6 सप्ताह में माननीय एनजीटी की दिल्ली प्रिंसिपल बेंच के समक्ष सौंपने का आदेश दिया था जिसपर जांच कमेटी द्वारा 07 जुलाई को दोनो ही शुगर मिलो में जाकर पूरे मामले की जांच कर 31 जुलाई को 21 पेजो की जांच रिपोर्ट बनाकर एनजीटी के समक्ष सौंपी गई थी । जिसपर बुधवार को को एनजीटी भोपाल बेंच में सुनवाई हुई जिसमे माननीय एनजीटी की भोपाल बेंच ने पॉल्युशन कन्ट्रोल बोर्ड एवं मप्र सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि हम जांच रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं है अगर इतने दिनों से लगातार प्रदूषण हो रहा था तो विभाग क्या कर रहा था मिलो को बंद क्यों नहीं किया गया।

तीन बहनों की डूबने से मौत

भीकनगांव (एजेंसी)। भीकनगांव से करीब 15 किमी दूर स्थित ग्राम बेड़छा मे तालाब में नहाने के दौरान 3 बहनो की दर्दनाक मौत हो गई। एक ही परिवार की तीन लडकिया सोनाक्षी पिता सुनील 13 वर्ष, मिनाक्षी पिता सुनील 11वर्ष तथा सारीका पिता विक्रम 14 वर्ष की डूबने से मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे तीनों लड़कियां भाई के साथ खेत पर गई थी जहां समीप स्थित तालाब में नहाने के दौरान गहरे पानी मे जाने से तीनों लडकियां डूब गई जिससे उनकी मौत हो गई। सूचना पर डायल 100 के साथ पुलिस मौके पर पहुंची तथा ग्रामीणों की मदद से तीनो शवों को तालाब से बाहर निकलवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिए शवों को भीकनगांव स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुचाया।

हादसा बहुत दुखद है शासन स्तर से जो भी सहायता होगी वह पीड़ित परिवार को दी जाएगी।

एलएल अहिरवार, एसडीएम, भीकनगांव।

आज से 12 तक 90 विशेषज्ञ करेंगे रातापानी में तितलियों का सर्वेक्षण

मप्र समेत 12 राज्यों के विशेषज्ञ होंगे शामिल

भोपाल, एजेंसी । रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य में 10 सितंबर से 12 सितंबर दो दिन तक तितली सर्वेक्षण का कार्यक्रम पहली बार वनमंडल औबेदुल्लागंज द्वारा एनजीओ चाईल्ड वॉरियर्स, इंदौर तथा तिन्शा फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित होगा। सर्वेक्षण कार्य में 13 राज्यों से लगभग 90 तितली विशेषज्ञ भाग लेंगे।

रातापानी अभयारण्य में मौजूद विभिन्न प्रजाति की तितलियों की सूची तैयार की जाएगी, जिससे उनके संरक्षण का कार्य प्रभावी ढंग से होगा। आम जनता तितलियों के प्रति जागरूकता पैदा करने तितलियों का पारिस्थितिकीय के तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। विभिन्न पादप प्रजातियों एवं फसलों के परागण कार्य करने के साथ ही तितली की कुछ प्रजातियां कीट नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है और स्वस्थ पर्यावरण का प्रतीक भी हैं। इनका संरक्षण केवल वन संवर्धन ही नहीं बल्कि कृषि संवर्धन एवं खाद्य सुरक्षा के लिए भी बहुत उपयोगी साबित होती है। सर्वे में मध्यप्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र पश्चिम बंगाल उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक और उत्तरप्रदेश राज्य के विशेषज्ञ आएंगे।

एक लाख 38 हजार हेल्थ वर्कर को अब लगाए जाएंगे हेपेटाइटिस के तीन टीके

मप्र को केंद्र सरकार से मिले कुल 51 लाख डोज

भोपाल एजेंसी। मप्र के एक लाख 38 हजार 730 हेथ्य वर्कर को अब लगाए जाएंगे हेपेटाइटिस बी. टीके के तीन डोज लगाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए केंद्र सरकार से प्रदेश को कुल 51 लाख डोज प्राप्त हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कुल प्राप्त डोज को अवश्यकता के अनुसार प्रदेश के सात संभाग में बांटने का खाका बना लिया है। राष्ट्रीय हेपेटाईटिस कंट्रोल कार्यक्रम के तहत केंद्र सरकार ने मांग से अधिक डोज भेज दिए हैं। मप्र शासन ने सात संभाग वार हेपेटाइटिस बी. टीके के डोज वितरण करने के निर्देश दिए हैं। कुल डोज में 10 फीसदी वेस्ट भी शामिल है। स्वास्थ्य विभाग टीके को संभाग वार वितरण करेगा। संभाग स्तर से सभी जिले में टीके पहुंचेंगे। इस दौरान कोल्ड चेन को मेंटेन किया जाएगा, जिससे टीके वेस्ट न हो।

किस संभाग को कितने टीके

संभाग	हल्थ वर्कर	टीके
भोपाल	23051	60683
इंदौर	21137	697521
जबलपूर	21816	719928
उज्जैन	13349	440577
ग्वालियर	20448	684189
रीवा	24404	805332
सागर	2598	85734

प्रतिदिन 10 लाख वैक्सीन लगाने का लक्ष्य बनाएं

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि केंद्र सरकार से मध्यप्रदेश को आवश्यकता के अनुसार कोविड से बचाव की वैक्सीन प्रदाय की जा रही है। आज ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया से हुई चर्चा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वस्त किया है कि मध्यप्रदेश को अब तक जिस तरह जरूरत के अनुसार वैक्सीन डोज मिलते रहे हैं, आगे भी पर्याप्त डोज़ मिलेंगे।

इस आपूर्ति से आगामी 17 सितंबर को संचालित किए जा रहे वैक्सीनेशन महाअभियान को सफल बनाने में सहयोग मिलेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म-दिवस पर महाअभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गुरुवार को मंत्रालय में हुई बैठक में इस महाअभियान को सफल बनाने के लिए निर्देश दिए। बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, कृषि मंत्री कमल पटेल, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान और स्वास्थ्य आयुक्त आकाश त्रिपाठी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रतिदिन राज्य में कम से कम 10 लाख लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य निर्धारित करें। आगामी 17 सितंबर के पश्चात इसी माह आखिरी सप्ताह में भी प्रथम डोज शत-प्रतिशत पात्र लोगों को लगाने की लक्ष्य प्राप्ति के पूरे प्रयास हों। संभव हो तो मतदाता सूची को आधार बनाकर जन-सहयोग प्राप्त कर लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए केंद्रों तक लाने का कार्य किया जाए, जिससे अभियान से शत-प्रतिशत वैक्सीन का लक्ष्य पूरा हो सकें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वैक्सीनेशन में जिन जिलों की उपलब्धि 70 प्रतिशत से कम है, वहां के कलेक्टर्स और जिला क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से चर्चा कर समीक्षा की जाएगी। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में अब तक 5.49 करोड़ वैक्सीनेशन के पात्र व्यक्तियों में से 4.07 करोड़ को प्रथम डोज और 93 लाख व्यक्तियों को दूसरा डोज लगाया जा चुका है। जिन जिलों में प्रगति 80 प्रतिशत से अधिक है, उनमें इंदौर, आगर-मालवा, भोपाल, सीहोर, हरदा, शहडोल, रतलाम, उज्जैन, नीमच, शाजापुर, गुना और दतिया शामिल हैं।

प्रदेश को मिलेंगी जरूरत के मुताबिक वैक्सीन : सीएम

डेंगू और चिकनगुनिया का उपचार आयुष्मान योजना में शामिल

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कुछ जिलों में डेंगू और चिकनगुनिया के मामले सामने आए हैं। इन्हें नियंत्रित करने के लिए जनता को शिक्षित और जागरूक बनाया जाए।बैठक में बताया गया कि कीटनाशक पाइरेथ्रम 2 प्रतिशत द्वारा स्पेस स्प्रे डेंगू पॉजिटिव रोगी के घर के आसपास 400 मीटर क्षेत्र में स्थित 50 घरों में स्पेस स्प्रे के साथ करने का कार्य भी किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि इन रोगों के उपचार की व्यवस्था आयुष्मान भारत निरामय योजना के अंतर्गत प्रदेश के 867 चिकित्सालयों में उपलब्ध है। टोल फ्री नंबर 14555 और 1800-233-2085 पर संपर्क कर विस्तृत जानकारी हासिल की जा सकती है।

मक्का, धान और गन्ना से बनेगा इथेनॉल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रस्तावित इथेनॉल पॉलिसी पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि यह नीति अन्य राज्यों के तुलनात्मक अध्ययन के बाद निर्धारित की जाए। मध्यप्रदेश में मक्का, धान और गन्ना आदि से इथेनॉल निर्माण के लिए इकाइयों की स्थापना पर विचार किया जाएगा। इस क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को साकार करने के लिए प्रोत्साहनकारी प्रावधान भी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि नीति के केंद्र में प्रदेश का हित होना चाहिए। सभी बिंदुओं पर आवश्यक विचार-विमर्श के बाद केंद्र सरकार से संपर्क कर आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों और केंद्रीय मंत्रियों से भी चर्चा करेंगे।

मप्र बना पॉवर सेक्टर में साइबर क्राइसिस प्रबंधन योजना लागू करने वाला पहला राज्य

भोपाल (एजेंसी)। मप्र राज्य लोड डिस्पेच सेंटर जबलपुर पॉवर सेक्टर में साइबर क्राइसिस प्रबंधन योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने जानकारी दी है कि केंद्र शासन के निर्देश पर मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर के इंजीनियर्स ने विशेषज्ञ सलाहकारों की मदद लिए बिना इन हाऊस साइबर क्राइसिस प्रबंधन योजना तैयार की है।

इस योजना का अनुमोदन कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम सीईआरटी इंडिया भारत सरकार द्वारा करवाकर इसे लागू कर दिया। यह पॉवर सेक्टरों में सायबर अटैक को रोकने अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक कारगर प्रणाली है। यह लोड डिस्पेच सेंटर में स्थापित सभी कम्प्यूटर प्रणालियों की साइबर सुरक्षा से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य है, जिसके लोड डिस्पेच सेंटर को आईएसओ 27001 द्वारा प्रमाणित भी किया गया है। यह सर्टिफिकेट साइबर सिक्योरिटी के अनुपालन के लिए प्रदाय किया जाता है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के इंजीनियर्स को बधाई दी है।

मप्र राज्य लोड डिस्पेज सेंटर में लागू हुआ सिस्टम

संक्षिप्त समाचार

अक्टूबर से फिर शुरू होगी खजुराहो से नई दिल्ली वायुयान सेवा : सिंधिया

भोपाल । मध्यप्रदेश के श्रम एवं खनिज साधन मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से सौजन्य भेंट कर बुंदेलखंड के विश्व विख्यात पर्यटन स्थल खजुराहो को नई दिल्ली से जोड़ने वाली वायुसेवा को पुनः प्रारंभ करने का अनुरोध किया। कोविड-19 के दौरान नई दिल्ली से खजुराहो वायुयान सेवा बंद कर दी गई थी। श्री सिंधिया ने अक्टूबर माह से नई दिल्ली से खजुराहो वायुयान सेवा पुनः प्रारंभ करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि खजुराहो से मुंबई वायुयान सेवा भी शीघ्र प्रारंभ की जाएगी।

खनन क्षेत्रों में सड़कों की क्षति रोकने भारी वाहनों पर शुल्क लगाने की तैयारी

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में खनन के वाहनों से सड़कों को होने वाली क्षति पर शुल्क लगाने संबंधी व्यवस्था विकसित होना चाहिए। इस संबंध में विचार-विमर्श के पश्चात आवश्यक निर्णय लिया जाएगा। रेत, गिट्टी और पत्थर आदि के परिवहन वाहनों से ग्रामवासियों की आवाजाही आसान बनाने के लिए तैयार की गई सड़कें कुछ क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त हो रही हैं। इस संबंध में विचार-विमर्श कर शीघ्र निर्णय लिया जाएगा। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रस्तावित व्यवस्था से अवैध खनन पर प्रभावी प्रतिबंध, सड़कों के उपयोग के लिए शुल्क प्राप्त करने और इन मार्गों के अलावा परिवर्तित मार्गों से वाहन ले जाने की प्रवृत्ति पर अंकुश भी लग सकेगा। बैठक में फिजिकल बैरियर, टोल और ई-टोल व्यवस्था के संबंध में भी विचार किया गया। खनिज साधन मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राम खेलावन पटेल और लोक निर्माण राज्य मंत्री सुरेश धाकड़ उपस्थित थे। लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव बैठक में वर्चुअल शामिल हुए।

स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि को मंत्री का दर्जा

भोपाल । राज्य शासन ने मध्यप्रदेश गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं कार्य परिषद् के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि को राज्य शासन के मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार को आदेश जारी कर दिए हैं।

वीडी शर्मा ने खरीदी स्ट्रीट वेंडर से गणेश प्रतिमा

भोपाल । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा गुरुवार को यहां 6 नंबर स्थित स्ट्रीट वेंडर की दुकान पर पहुंचकर श्री गणेश जी की प्रतिमा खरीदी। श्री शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि छोटी-छोटी दुकानों और मिट्टी से बनी गणेश जी की प्रतिमाएं खरीदें। जिससे स्ट्रीट वेंडर लाभान्वित हो सकें।

कमलनाथ ने शंकराचार्य से लिया आशीर्वाद

भोपाल । पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने गुरुवार को परम पूज्य गुरुदेव द्विपीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के 98वें प्रकटोत्सव पर गुरुदेव जी के दर्शन कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज मैं यहां महाराज जी से आशीर्वाद लेने आया हूं। महाराज जी ने अपने जीवन काल में सभी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे देश की जो सबसे बड़ी शक्ति है वह है आध्यात्मिक शक्ति। आज पूरे विश्व में आध्यात्मिक शक्ति से ही हमारी पहचान है। महाराज जी ने अपने जीवन काल में इस आध्यात्मिक शक्ति की ना केवल रक्षा की अपितु उसको और मजबूती प्रदान की है। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति, पूर्व मंत्री तरुण भानोत, लखन घनघोरिया, विधायक संजय शर्मा, संजय यादव और अर्चना जायसवाल आदि उपस्थित थे।

पिछड़ा वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण पर कांग्रेस प्रदेश भर में निकालेगी आभार यात्रा

भोपाल। पिछड़े वर्ग को दिए गए 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग कमलनाथ का आभार व्यक्त करने प्रदेश भर में आभार यात्रा निकालगा। आभार यात्रा कमलनाथ सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच रखेगी और भाजपा सरकार की झूठ की पोल खोलेगी। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग द्वारा आयोजित आभार यात्रा का आयोजन गणेश चतुर्थी के दिन पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा सुबह 10.30 बजे उनके निवास से हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष राजमणि पटेल ने बताया कि पहले चरण में आभार यात्रा 10 सितंबर से प्रारंभ होकर 18 सितंबर तक सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, खरगापुर, टीकमगढ़, दतिया, ग्वलियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर और विदिशा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरेगी। इस यात्रा के दौरान जगह-जगह जनसभाएं, जन संसद संवाद, जन चौपाल, पत्रकार वार्ताएं और बैठक आदि आयोजित होंगी। जिसमें प्रदेश की भाजपा सरकार के झूठ-फरेब की उजागर किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिन पर प्रदेश में होंगे विशेष आयोजन

17 को मप्र में रहेगा 71 का संयोग

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने मंत्रालय में ली तैयारियों को लेकर बैठक

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 17 सितंबर को 71 वर्ष के हो जाएंगे। इस दिन राज्य सरकार भी 71 के इस अंक को बेहद खास बनाने जा रही है। कई योजनाओं से लेकर कार्यक्रमों और लोकार्पण - शुभारंभ में 71 का संयोग रखा जाएगा। इसके लिए विभागों को तैयारी करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को मंत्रालय में कार्यक्रमों की तैयारी के संबंध में बैठक की। इस दौरान मंत्रियों और अफसरों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस 17 सितंबर को है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार 07 अक्टूबर 2001 को शपथ ली थी। प्रधानमंत्री मोदी के 71वें जन्म-दिवस और गुजरात के मुख्यमंत्री तथा देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुए सुशासन देने के लगातार सफल 20 वर्ष पूर्ण करने पर राज्य सरकार विकास कार्यों और कल्याणकारी कार्यक्रमों की शुरुआत करेगी। प्रदेश में 17 सितंबर से 07 अक्टूबर की अवधि में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी को विनम्र आदरांजलि होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री के जन्म दिवस 17 सितंबर को वृक्षारोपण और वैक्सीनेशन महाअभियान का संचालन होगा। स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, पर्यावरण, किसान-कल्याण, ऊर्जा, शिक्षा, नगरीय प्रशासन, औद्योगिक विकास, ग्रामीण विकास, जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां इस अवधि में संचालित की जाएंगी। प्रदेश के गरीबों, महिलाओं, बच्चों, पिछड़ों, मजदूरों, अनुसूचित जाति और जनजाति के कल्याण और विकास के लिए कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

यह कार्यक्रम होंगे आयोजित

71000 विद्यालयों में होगा 71 हजार पौधों का रोपण।
71 स्थानों पर वन विभाग करेगा वृक्षारोपण कार्यक्रम।
71 बीज ग्रामों का प्रदेश में होगा शुभारंभ।
71 कृषक उत्पादक संगठनों का होगा गठन।
71 कृषि अधोसंरचना निधि के प्रकरणों में राशि का वितरण।
71 हजार लाड़ली लक्ष्मी को होगा छात्रवृत्ति का भुगतान।
71 मातृ वंदना योजना के हितग्राहियों को राशि का भुगतान।
7100 बच्चों की माताओं को देंगे पोषण अधिकार सूचना पत्र।
71 आंगनबाड़ी और 7100 वाटिकाओं का होगा लोकार्पण।
71 विद्यालय भवनों का प्रदेश में होगा लोकार्पण।
71 बालिका छात्रावासों का किया जाएगा भूमि-पूजन।
7100 महिला स्व-सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज सुविधा।
71 हजार आवासों में लोगों को कराया जाएगा गृह प्रवेश।
71 विद्युत उप केंद्रों का होगा भूमि-पूजन।
71 निकायों में विकास कार्यों का लोकार्पण/भूमि-पूजन।
710 पंचायत भवनों की होगी शुरुआत।
71 प्राथमिक, 71 उप प्राथ. स्वास्थ्य केंद्रों का भूमि-पूजन।
71 जल जीवन मिशन योजनाओं का भूमि-पूजन।
71 उद्योगों और 71 लघु उद्योगों के लिए भूमि आवंटन
71 हजार लोगों को स्वामित्व पट्टा वितरित किया जाएगा।

बीज संघ समितियों को प्रॉफिट मेकिंग बनाने कमेटी गठित

भोपाल (एजेंसी)। राज्य सहकारी बीज उत्पादक संघ की बीज उत्पादक समितियों को प्रॉफिट मेकिंग बनाने के लिए समिति गठित की गई है। बीज उत्पादक समितियों को संचालित करने के लिए नई रणनीति बनाने और प्रॉफिट मेकिंग मॉडल तैयार करने के लिए एडवाइजरी कमेटी सुझाव देगी।

संचालक मंडल के अध्यक्ष सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया, संचालक मंडल के उपाध्यक्ष, किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री कमल पटेल की उपस्थिति में गुरुवार को मंत्रालय में राज्य सहकारी बीज उत्पादक और विपणन संघ के संचालक मंडल की बैठक में समिति के गठन का निर्णय लिए गया। कृषि मंत्री श्री पटेल और सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने बीज उत्पादक समितियों को प्रॉफिट मेकिंग बनाने के लिए एडवाइजरी कमेटी के गठन का निर्णय लिया। कमेटी में संचालक कृषि, एमडी अपेक्स बैंक, एमडी बीज प्रमाणीकरण संस्था एमडी बीज निगम, एमडी बीज संघ और बीज उत्पादन के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले बीज उत्पादन समितियों के तीन सदस्यों को सम्मिलित किया गया है। मंत्री श्री पटेल और डॉ. भदौरिया ने कहा कि राज्य में हाइब्रिड और उन्नत किस्म के खरीफ और रबी सीजन की फसलों के बीजों की किसानों की मांग का आंकलन कर बीज उत्पादन करने की रणनीति तैयार की जाए। इससे राज्य के किसानों को रीजनेवल कीमत पर उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध होंगे। किसानों की मांग की आपूर्ति कर बीज उत्पादन समितियां भी घाटे से उबरने में सफल होंगी। प्रदेश में किसानों की बड़ी संख्या है, जिसे उन्नत किस्म के फसलों के बीज की आवश्यकता रहती है। बीज उत्पादक समितियों को इस दिशा में क्रियाशील करना होगा। इसके लिए नव-गठित एडवाइजरी कमेटी आवश्यक सुझाव देगी। एडवाइजरी कमेटी आंकलन करेगी कि प्रदेश में किसानों को किन-किन फसलों के कितनी मात्रा में बीजों की आवश्यकता होती है। राज्य के किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सर्टिफाइड उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराने के लिए बीज उत्पादन समितियों को कार्यशील किए जाने का मॉडल तैयार करेगी।

संचालक मंडल की बैठक में हुए महत्वपूण निर्णय

खाली हुई राज्यसभा सीट पर चुनाव 4 अक्टूबर को

भोपाल (एजेंसी)। मप्र में थावरचंद गहलोत के इस्तीफे के बाद खाली हुई राज्यसभा सीट पर 04 अक्टूबर को उपचुनाव होंगे। देश के कई राज्यों में विभिन्न कारणों से खाली हुई सीट पर चुनाव कार्यक्रम निर्वाचन आयोग ने जारी कर दिया है। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 15 सितंबर से 04 अक्टूबर तक निर्वाचन की प्रक्रिया चलेगी। 04 अक्टूबर को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। इसी दिन मतदान समाप्त होने के बाद पांच बजे से मतगणना शुरू होगी और फिर चुनाव परिणाम की घोषणा की जाएगी।

विधानसभा की स्थिति

कुल सीट	230
भाजपा	125
कांग्रेस	95
बसपा	02
सपा	01
निर्दलीय	04
रिक्त	03

22 सितंबर तक भरे जाएंगे नामांकन

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 15 सितंबर को निर्वाचन प्रक्रिया की अधिसूचना जारी होने के बाद उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया जा सकता है। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख 22 सितंबर है। नामांकन पत्रों की जांच 23 सितंबर को होगी और 27 सितंबर तक नाम वापसी की जा सकती है। राज्यसभा चुनाव की निर्वाचन प्रक्रिया के लिए रिटर्निंग अधिकारी की जिम्मेदारी विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह दी जा सकती है।

गहलोत के राज्यपाल बनने से खाली हुई सीट

गौरतलब है कि इस साल जुलाई में राज्यसभा सांसद थावरचंद गहलोत को कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उनके राज्यपाल नियुक्त होने पर उन्होंने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दिया था। तब से राज्यसभा में मध्यप्रदेश के कोटे की एक सीट खाली थी। श्री गहलोत की खाली सीट फिर से भाजपा के खाते में जाएगी। मप्र विधानसभा में भाजपा के कुल 125 विधायक हैं, यह संख्या बहुमत से अधिक बताई जाती है। राज्यसभा सीट के लिए अभी पार्टी ने कोई उम्मीदवार तय नहीं किया है, लेकिन कई नेताओं का नाम चर्चा में हैं। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री से लेकर राष्ट्रीय संगठन नेता और केंद्रीय मंत्री शामिल हैं।

एमएसपी बढ़ाए जाने पर मुख्यमंत्री चौहान, कृषि मंत्री पटेल और वीडी शर्मा ने माना प्रधानमंत्री का आभार

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार माना है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसान हितैषी प्रधानमंत्री हैं। वे किसानों के हित में लगातार फैसले ले रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गेहूं, जौ, चना, मसूर, सूरजमुखी के फूल और सरसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि कर किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कृषि मंत्री श्री पटेल ने रबी की फसलों के समर्थन मूल्य में बढ़ोत्तरी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का आभार माना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा निरंतर किसानों के हित में फैसले लिए जा रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि किए जाने के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह फैसला कृषि कानूनों पर भ्रम फैलाने वाले के लिए करारा जवाब है। श्री शर्मा ने देश और प्रदेश के किसानों को समर्थन मूल्य बढ़ने पर बधाई देते हुए उनसे आह्वान किया कि वे उन लोगों को बेनकाब करें, जो किसान हितैषी होने का ढोंग करके किसानों को भड़का रहे हैं, उनका नुकसान कर रहे हैं।

प्रदेश के बासमती को जीआई टैग से लाखों किसानों को होगा लाभ : पटेल

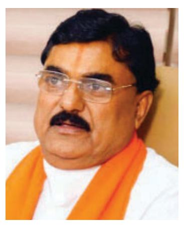

भोपाल । कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि बासमती धान के जीआई टैग के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से प्रदेश के लाखों किसानों को राहत मिली है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की किसानों की आय बढ़ाने का सपना भी पूरा होगा। श्री पटेल ने इस संपूर्ण प्रक्रिया में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह द्वारा किए गए प्रयासों के लिए प्रदेश के किसानों की ओर से धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है। श्री पटेल ने कहा है कि मध्यप्रदेश के 13 जिलों में लगभग 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में एक लाख किसानों द्वारा बासमती धान उगाई जा रही है। प्रदेश का बासमती विशेष किस्म का होने के साथ ही खूशबूदार भी है। प्रदेश के किसानों को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मद्रास हाईकोर्ट को नए सिरे से विचार करने के निर्देश देने के फैसले से राहत मिली है। इससे प्रदेश के धान उत्पादक किसान उत्साहित है। मंत्री श्री पटेल ने कहा है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 05 अक्टूबर, 2020 को दी गई मध्यप्रदेश के किसानों के हित में अंतरिम राहत की अवधि को बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि इस राहत से प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। इससे किसानों की आय तीन गुनी बढ़ जाएगी।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष ने किया साइबर योद्धाओं से संवाद

कट्टरपंथी इस्लाम से मुकाबले के लिए सभी सम्प्रदाय एक हों : मुरलीधर राव

भोपाल (एजेंसी)। भारत में मुस्लिमों को जो आजादी है, वह कट्टरपंथी इस्लामिक देशों में नहीं है। कट्टरपंथी इस्लाम के कारण आज अफगानिस्तान में तालिबान को सत्ता तो मिल गई लेकिन लोगों के अधिकार सुरक्षित नहीं हैं। इसलिए कट्टरपंथी इस्लाम आज पूरी दुनिया के लिए खतरा बनता जा रहा है। लेकिन इस खतरे का मुकाबला हम सभी को मिलकर करना होगा।

कट्टरपंथी इस्लाम की विचारधारा को फैलने ने रोकने के लिए चाहे हिन्दू हो, मुसलमान हो या फिर बुद्ध हो, सभी को सजग होना पड़ेगा। इस काम में साइबर योद्धाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। देश में अशांति और बांटने वाले लोगों को पूरी ताकत के साथ जवाब देकर उनके मंसूबों पर पानी फेरने का काम साइबर योद्धाओं को प्रतिदिन करना चाहिए। यह बात भाजपा के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने गुरुवार को समन्वय भवन में कट्टरपंथी इस्लाम का राजनीतिक उदय और भारतीय सुरक्षा के लिए चुनौतियां विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संयुक्त रूप से साइबर योद्धाओं से संवाद करते हुए कही। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश सह संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। श्री राव ने कहा कि 135 करोड़ भारतवासियों की सुरक्षा के लिए हमें इस्लामिक कट्टरपंथी विचारधारा से लड़ना होगा।

श्री राव ने कहा कि भारत में मोहम्मद गजनी, मोहम्मद गौरी, औरंगजेब, बाबर जैसे लोगों की विचारधारा के साथ कोई समझौता न तो भारत ने किया है और न ही करेगा। इसे हिन्दू बनाम मुसलमान नहीं बनाएं, जो ऐसा करते हैं वह देश के गद्दार हैं। आज देश को बचाना हमारे लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथ इस्लाम के साथ लड़ाई करके अपनी संस्कृति की रक्षा करने वाला दुनिया में एक मात्र देश भारत है।

मोदी जी के सशक्त नेतृत्व के कारण कमजोर हुईं हैं देश विरोधी ताकतें : शर्मा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि चाहे पाकिस्तान द्वारा दुनिया में आतंक फैलाने की बात हो या फिर बांग्लादेशियों के घुसपैठ का मामला हो, ये सभी भारत के लिए समस्याएं पैदा कर रहे हैं। कट्टरपंथी इस्लाम आज पूरे विश्व के लिए खतरा है। श्री शर्मा ने कहा, लेकिन आज दृश्य बदल गया है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से देश में अराजकता फैला रहे हैं। इसलिए इन्हें जवाब भी इनके माध्यम से देना पड़ेगा। आज साइबर योद्धाओं को देश और प्रदेश में अराजकता फैलाने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना होगा। इससे पूर्व कार्यक्रम की प्रस्तावना आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश प्रभारी रजनीश अग्रवाल ने दी। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी नरेंद्र शिवाजी पटेल, भोपाल जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार,पंधाना विधायक राम दांगोर आईटी विभाग के प्रदेश संयोजक अमन शुक्ला, प्रदेश सह संयोजक गौरव विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक अभिषेक शर्मा ने किया।

गणेश चतुर्थी कल, नोट कर लें गणपति बप्पा की संपूर्ण पूजा विधि और स्थापना का शुभ मुहूर्त

देशभर में गणेश चतुर्थी का त्योहार 10 सितंबर दिन शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है। गणपति पूजन में बहुत से लोग 10 दिन के लिए घर में गणपति बप्पा का आयोजन करते हैं और अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान गणेश को धूमधाम के साथ विदाई देकर विसर्जन करते हैं। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की कृपा से सुख-शाति और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

गणपति स्थापना पूजन का शुभ मुहूर्त

गणेश चतुर्थी के दिन पूजन का शुभ मुहूर्त 12 बजकर 17 मिनट पर अभिजीत मुहूर्त से शुरू होगा और रात 10 बजे तक पूजन का शुभ समय रहेगा। इस साल गणेश चतुर्थी पर भद्रा का साया नहीं रहेगा। गणेश चतुर्थी के दिन 11 बजकर 09 मिनट से 10 बजकर 59 मिनट तक पाताल निवासिनी भद्रा रहेगी। शास्त्रों के अनुसार, पाताल निवासिनी भद्रा का योग शुभ माना जाता है।

गणेश चतुर्थी पूजा विधि

गणेश चतुर्थी के दिन सुबह स्नान-ध्यान करके गणपति के व्रत का संकल्प लें। इसके बाद दोपहर के समय गणपति की मूर्ति या फिर उनका चित्र लाल कपड़े के ऊपर रखें। फिर गंगाजल छिड़कने के बाद भगवान गणेश का आह्वान करें। भगवान गणेश को पुष्प, सिंदूर, जनेऊ और दूर्वा (घास) चढ़ाए। इसके बाद गणपति को मोदक लड्डू चढ़ाएं, मंत्रोच्चार से उनका पूजन करें। गणेश जी की कथा पढ़ें या सुनें, गणेश चालीसा का पाठ करें और अंत में आरती करें।

गणपति बप्पा को लगाएं भोग

गणेश जी को पूजन करते समय दूब, घास, गन्ना और बूंदी के लड्डू अर्पित करने चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं। कहते हैं कि गणपति जी को तुलसी के पत्ते नहीं चढ़ाने चाहिए। मान्यता है कि तुलसी ने भगवान गणेश को लम्बोदर और गजमुख कहकर शादी का प्रस्ताव दिया था, इससे नाराज होकर गणपति ने उन्हें श्राप दे दिया था।

गणपति महोत्सव पर विशेष

भगवान गणेशजी का संपूर्ण परिचय

भगवान गणेशजी को भारतीय धर्म और संस्कृति में प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। उनकी पूजा के बगैर कोई भी मंगल कार्य शुरू नहीं होता। सभी मांगलिक कार्य में पहले गणेश जी की स्थापना और स्तुति की जाती है। आओ जानते हैं भगवान गणेशजी के संबंध में संपूर्ण परिचय।

माता पिता : भगवान शंकर और माता पार्वती।

गणेश जन्म : माता पार्वती द्वारा पुण्यक व्रत के फलस्वरूप गणेशजी का जन्म हुआ था। बाद के पुराणों में उनके जन्म के संबंध में कहा गया है माता ने अपनी सखी जया और विजया के कहने पर एक गण की उत्पति अपने मैल से की थी।

जन्म नाम : विनायक

अन्य नाम : सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र, विघ्नराज, द्वैमातुर, गणाधिप, हेरम्ब, गजानन, अरुणवर्ण, गजमुख, लम्बोदर, अरुण-वस्त्र, त्रिपुण्ड्र-तिलक, मूषकवाहन आदि।

गणेशजी के 12 प्रमुख नाम : सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्णक, लंबोदर, विकट, विघ्न-नाश, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन।

जन्म समय : भाद्रपद की चतुर्थी को मध्यान्ह के समय।

जन्म समय माथुर ब्राह्मणों के इतिहास अनुसार अनुमानतः 9938 विक्रम संवत पूर्व भाद्रपद माह की शुक्ल चतुर्थी को मध्याह्न के समय हुआ था। पौराणिक मत के अनुसार सतुयग में हुआ था।

स्थान : कैलाश मानसरोवार या उत्तरकाशी जिले का डोडीताल।

भाई : श्रीकार्तिकेय (बड़े भाई), सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा।

बहन : अशोक सुंदरी, ज्योतिष (ज्वाला देवी), मनसा देवी। शायद ये भी-जया, विषहर, शामिलबारी, देव और दोतलि।

गणेशजी की पत्नियां : ऋद्धि और सिद्धि।

पुत्र : क्षेत्र (शुभ) और लाभ।

पौत्र : आमोद और प्रमोद।

ससुर : भगवान विश्वकर्मा

अधिपति : जल तत्व के अधिपति।

प्रिय पुष्प : लाल रंग के फूल।

प्रिय वस्तु : दुर्वा (दूब), शमी-पत्र।

प्रमुख अस्त्र : पाश और अंकुश।

गणेश वाहन : सिंह, मयूर और मूषक। सतयुग में सिंह, त्रेतायुग में मयूर, द्वापर युग में मूषक और कलियुग में घोड़ा है।

गणेशजी का जप मंत्र : ऊँ गं गणपतये नमः है।

अवतार : पुराणों में उनके 64 अवतारों का वर्णन है। सतयुग में कश्यप व अदिति के यहां महोत्कट विनायक नाम से जन्म लेकर देवांतक और नरांतक का वध किया। त्रेतायुग में उन्होंने उमा के गर्भ जन्म लिया और उनका नाम गुणेश रखा गया। सिंधु नामक दैत्य का विनाश करने के बाद वे मयुरेश्वर नाम से विख्?यात हुए। द्वापर में माता पार्वती के यहां पुनः जन्म लिया और वे गणेश कहलाए। ऋषि पराशर ने उनका पालन पोषण किया और उन्होंने वेदव्यास के विनय करने पर सशर्त महाभारत लिखी।

गणेश जी का मस्तक : उन्हें गजानन इसलिए कहा गया कि उनके सिर को भगवान शंकर ने काट दिया था। बाद में उनके धड़ पर हाथी का सिर लगा कर उन्हें पुनः जीवित किया गया। यह भी कहा जाता है कि शनिदेव जब बाल गणेश को देखने गए तो उनकी दृष्टि से उनका मस्तक भस्म हो गया था बाद में विष्णुजी ने एक हाथी का सिर उनके धड़ पर लगाकर उन्हें पुनर्जिवित कर दिया था।

अग्रपूजक कैसे बने : एक बार देवताओं में धरती की परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई जिसमें जो सबसे पहले परिक्रमा करके आ जाता उसे सर्वश्रेष्ठ माना जाता। प्रतियोगिता प्रारंभ हुई परंतु गणेश जी का वाहन तो मूषक था तब उन्होंने अपनी बुद्धि का प्रयोग किया और उन्होंने अपने माता पिता शिव एवं पार्वती की ही परिक्रमा कर ली। ऐसा करके उन्होंने संपूर्ण ब्रह्माण्ड की ही परिक्रमा कर ली। तब सभी देवों की सर्वसम्मति और ब्रह्माजी की अनुशंसा से उन्हें अग्रपूजक माना गया। इसके पीछे और भी कथाएं हैं। पंच देवोपासना में भगवान गणपति मुख्य हैं।

गणेशजी की पसंद : उनका प्रिय भोग मोदक लड्डू, प्रिय पुष्प लाल रंग के फूल, प्रिय वस्तु दुर्वा (दूब), प्रिय वृक्ष शमी-पत्र, केला, केला आदि हैं। केसरिया चंदन, अक्षत, दूर्वा अर्पित कर कपूर जलाकर उनकी पूजा और आरती की जाती है। उनको मोदक का लड्डू अर्पित किया जाता है। उन्हें रक्तवर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं।

गणेशजी का स्वरूप : जल तत्व के अधिपति, बुधवार और चतुर्थी के स्वामी और केतु एवं बुध के ग्रहाधिपति गणेश जी के प्रभु अस्त्र पाश और अंकुश है। वे मूषक वाहन पर सवार रहते हैं। वे एकदन्त और चतुर्बाहु हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमशः पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वरमुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीतवस्त्रधारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं।

भगवान गणेशजी का सतयुग में वाहन सिंह है और उनकी भुजाएं 10 हैं तथा नाम विनायक। श्री गणेशजी का त्रेतायुग में वाहन मयूर है इसीलिए उनको मयूरेश्वर कहा गया है। उनकी भुजाएं 6 हैं और रंग श्वेत। द्वापरयुग में उनका वाहन मूषक है और उनकी भुजाएं 4 हैं। इस युग में वे गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं और उनका वर्ण लाल है। कलियुग में उनका वाहन घोड़ा है और वर्ण धूम्रवर्ण है। इनकी 2 भुजाएं हैं और इस युग में उनका नाम धूम्रकेतु है।

गणेशजी के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंग : मस्तक प्रसंग, पृथ्?वी प्रदक्षिणा प्रसंग, मूषक (गजमुख) वाहन प्राप्ति प्रसंग, गणेश विवाह प्रसंग, संतोषी माता उत्पति प्रसंग, विष्णु विवाह में उन्हें नहीं बुलाने का प्रसंग, असुर (देवतान्तक, सिंधु दैत्य, सिंदुरासुर, मत्सरासुर, मदासुर, मोहासुर, कामासुर, लोभासुर, क्रोधासुर, ममासुर, अहंतासुर) वध प्रसंग, महाभारत लेखन प्रसंग आदि। उन्होंने अपने भाई कार्तिकेय के साथ कई युद्धों में लड़ाई की थी।

गणेश ग्रंथ : गणेश का गाणपतेय संप्रदाय है। उनके ग्रंथों में गणेश पुराण, गणेश चालीसा, गणेश स्तुति, श्रीगणेश सहस्रनामावली, गणेशजी की आरती, संकटनाशन गणेश स्तोत्र, गणपति अथर्वशीर्ष, गणेशकवच, संतान गणपति स्तोत्र, ऋणहर्ता गणपति स्तोत्र, मयूरेश स्तोत्र आदि।

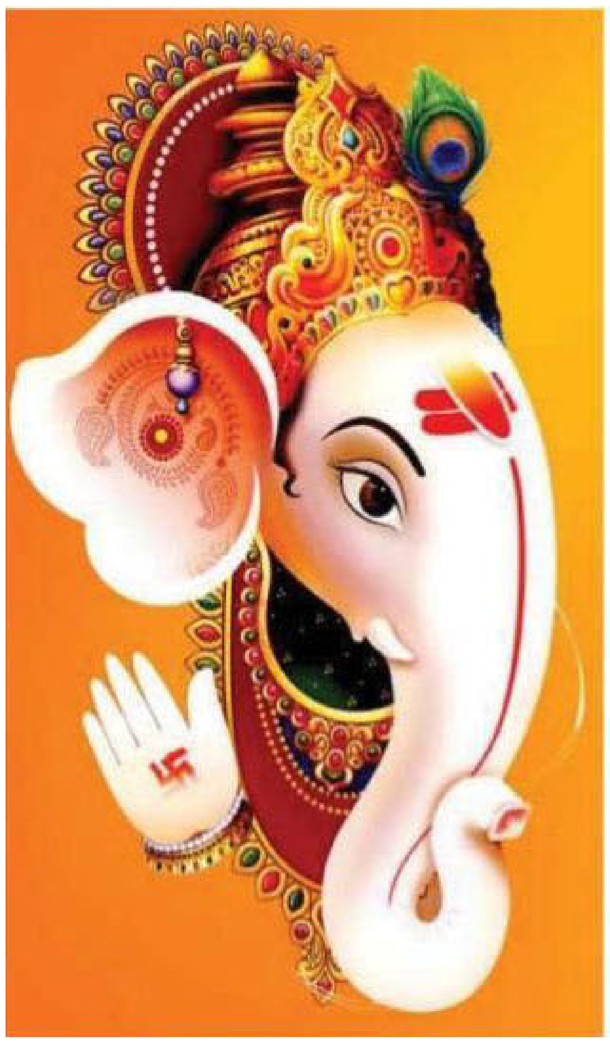

एकदंत कैसे कहलाए गणेशजी

महाभारत विश्व का सबसे बड़ा महाकाव्य है। इसमें एक लाख से ज्यादा श्लोक हैं। महर्षि वेद व्यास के मुताबिक यह केवल राजा-रानियों की कहानी नहीं बल्कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की कथा है। इस ग्रंथ को लिखने के पीछे भी रोचक कथा है। कहा जाता है कि ब्रह्मा ने स्वप्न में महर्षि व्यास को महाभारत लिखने की प्रेरणा दी थी।

महर्षि व्यास ने यह काम स्वीकार कर लिया, लेकिन उन्हें कोई इसे लिखने वाला न मिला। वे ऐसे किसी व्यक्ति की खोज में लग गए जो इसे लिख सके। महाभारत के प्रथम अध्याय में उल्लेख है कि वेद व्यास ने श्री गणेश जी को इसे लिखने का प्रस्ताव दिया तो वे तैयार हो गए। उन्होंने लिखने के पहले शर्त रखी कि महर्षि कथा लिखवाते समय एक पल के लिए भी नहीं रुकेंगे।

इस शर्त को मानते हुए महर्षि ने भी एक शर्त रख दी कि गणेश भी एक-एक वाक्य को बिना समझे नहीं लिखेंगे। इस तरह गणेश जी के समझने के दौरान महर्षि को सोचने का अवसर मिल गया।

महाभारत लिखने के दौरान जल्दबाजी के कारण ही श्री गणेश ने अपना एक दांत तुड़वा लिया था। दरअसल बिना रुके लिखने की शीघ्रता में यह दांत टूटा था। तभी से वे एकदंत कहलाए। लेकिन इतनी शीघ्रता के बाद भी श्री गणेश ने एक-एक शब्द समझ कर लिखा।

सबक- महाभारत लिखने वाले श्री गणेश आजकल के प्रबंधकों के लिए एक संदेश देते हैं। प्रबंधक चाहे एक श्रोता या एक वक्ता उसे हमेशा ही विषय को लेकर गंभीर रहना चाहिए। अच्छा लेखन या बेहतर संवाद तभी हो सकता है जब हमारी समझ और ज्ञान साफ हो।

श्रीगणेश चतुर्थी 2021 : राशि अनुसार यह मंत्र है शुभ आपके लिए...

श्रीगणेश चतुर्थी की पूजा दोपहर के मुहूर्त में की जाती है क्योंकि श्रीगणेश का जन्म दोपहर में हुआ था। प्रथम पूज्य श्री गणेश जी की निर्विघ्न जीवन प्रदान करते हैं। आइए हम सब भगवान गजानन की आराधना कर सुखी, सुरक्षित और समृद्ध जीवन की कामना करें। जानें राशिनुसार कौन-सा मंत्र जपना शुभ है आपके लिए-

राशिनुसार श्री गणेश जी की आराधना-

मेष- ऊँ अवनीश नमः।
वृषभ- ऊँ गजवक्र नमः।
मिथुन- ऊँ कीर्ति नमः।
कर्क- ऊँ दुर्जा नमः।
सिहं- ऊँ नमस्तेतू नमः।
कन्या- ऊँ अवनीश नमः।
तुला- ऊँ गजकर्ण नमः।
वृश्चिक- ऊँ विकट नमः।
धनु- ऊँ यशस्कर नमः।
मकर- ऊँ यंजकाय नमः।
कुंभ- ऊँ विश्वराजा नमः।
मीन- ऊँ शशि-वर्णम नमः।

सीरीज जीतने उतरेगा भारत

भारत व इंग्लैंड के बीच अंतिम टेस्ट मैच मैनचेस्टर में आज से

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ यहां ओल्ड ट्रेफोर्ड में शुक्रवार से होने वाले सीरीज के पांचवें और अखिरी टेस्ट मुकाबले को जीतकर इतिहास रचने उतरेगी। भारत के पास सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच जीत इंग्लैंड में पहली बार ऐसा करने का मौका रहेगा। भारत ने ओल्ड ट्रेफोर्ड में नौ टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें से चार में उसे हार मिली है। पांच मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारत के पास यहां पहली बार टेस्ट जीतने का भी मौका रहेगा।

भारत ने इससे पहले 1986 में इंग्लैंड में दो टेस्ट मैच जीते थे और वह 2-0 से सीरीज जीतने में कामयाब रहा था। यह तीसरी बार होगा जब भारत इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतेगा। इससे पहले उन्होंने 1971 में 1-0 और 1986 में 2-0 से जीत दर्ज की थी। भारत इस टेस्ट में कुछ परिवर्तन कर सकता है जिसमें जसप्रीत बुमराह को आराम देना रहेगा जिन्होंने लगातार चार टेस्ट मैच खेले हैं। इसके बाद उन्हें आईपीएल और टी20 विश्व कप में भी भाग लेना है। हालांकि, अंतिम टेस्ट की महत्वत्ता को देखते हुए उन्हें खेलाया जा सकता है। भारत अजिंक्य रहाणे को भी आराम दे सकता है और उनकी जगह मयंक अग्रवाल या सूर्यकुमार यादव को मौका मिल सकता है। एक बार फिर दारोमदार ओपनिंग जोड़ी पर रहेगा जिनसे मजबूत शुरूआत की जिम्मेदारी रहेगी। रोहित शर्मा और लोकेश राहुल ने चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े थे। इनकी शुरूआत के दम पर भारत ने दूसरी पारी में 466 रन बनाए थे और 367 रनों की बढ़त ली थी। इंग्लैंड की टीम में उपकप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर एकादश में वापसी करेंगे। इंग्लैंड शायद गेंदबाजी संयोजन में कुछ बदलाव कर सकता है।

इंग्लैंड टीम

जो रूट कप्तान, मोइन अली, जेम्स एंडरसन, जोनाथन बेयरस्टो, रोरी बर्न?स, जोस बटलर, सैम करेन, हसीब हमीद, डैन लॉरेंस, जैक लीच, डेविड मालन, क्रेग ओवरटोन, ओली पोप, ओली रॉबिन्सन, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।

भारतीय टीम

लोकेश राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली कप्तान, अजिंक्य रहाणे, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत विकेटकीपर, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, रिद्धिमान साहा विकेटकीपर, अभिमन्यु ईश्वरन, पृथ्वी शॉ, सूर्यकुमार यादव और प्रसिद्ध कृष्णा।

पूरी भारतीय टीम नेगेटिव

भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट की पूर्वसंध्या पर एक और सपोर्ट स्टाफ के कोरोना से संक्रमित होने से गहरा झटका लगा है। लेकिन पूरी भारतीय टीम के टेस्ट परिणाम नेगेटिव आने से मैच पर छाये संकट के बादल छंट गए हैं। भारत पांच मैचों की सीरीज में चौथा मैच जीतने के बाद से 2-1 से आगे है भारतीय टीम के दूसरे फिजियो योगेश परमार के कोरोना से संक्रमित होने का परिणाम गुरूवार को पता चला जिसके बाद भारतीय टीम ने अपना प्रस्तावित ट्रैनिंग सत्र रद्द कर दिया। भारतीय टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री लीड्स में चौथे टेस्ट के दौरान पॉजिटिव पाए गए थे। तब शास्त्री के साथ साथ गेंदबाजी कोच भरत अरुण, फील्डिंग कोच आर श्रीधर और फिजियो नितिन पटेल को तत्काल प्रभाव से एहतियातन आइसोलेशन में डाल दिया गया था।

इतिहास रचने के करीब जोकोविच

यूएस ओपनः बेरेटिनी को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे नंबर वन जोकोविच

न्यू यार्क। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल मैच में इटली के मातियो बेरेटिनी को हराकर वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच ने बेरेटिनी को हराने से पहले धीमी शुरुआत की।

पहला सेट 5-7 से हारने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने बेरेटिनी को 6-2, 6-2, 6-3 से हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसी के साथ वह इतिहास रचने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। वह अब इस कैलेंडर-वर्ष में चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर हैं जो एक ऐसी उपलब्धि है जो पुरुष टेनिस में आधी सदी से अधिक समय बीत जाने तक किसी ने हासिल नहीं की है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी रॉड लेवर ने 1969 सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम खिताब जीते थे। 34 वर्षीय जोकोविच ने कहा, पहला सेट हारने के बाद मैंने इसको भुलाते हुए वापसी की। मैंने दूसरे सेट की शुरुआत से ही दबाव बनाना शुरू कर दिया था। मैंने अपने टेनिस को एक अलग स्तर पर रखा। निश्चित रूप से यह टूर्नामेंट में अब तक खेले गए मेरे सर्वश्रेष्ठ तीन सेट हैं। यह एक बेहतरीन मैच था।

ज्वेरेव से होगा मुकाबला

जोकोविच का सेमीफाइनल में चौथी सीड जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव से मुकाबला होगा। ज्वेरेव ने क्वार्टरफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के लॉयड हैरिस को 7-6(6) 6-3 6-4 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। ज्वेरेव को जोकोविच के अभियान में संभावित खतरे के रूप में देखा जा रहा है। महिला वर्ग में ब्रिटेन की एमा रादुकानू और यूनान की मारिया सक्कारी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। रादुकानू ने 11 वीं सीड स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच को एक घंटे 22 मिनट में 6-3, 6-4 से और 17 वीं सीड सक्कारी ने चौथी सीड कैरोलिना प्लिसकोवा को एक घंटे 22 मिनट में 6-4, 6-4 से पराजित किया। सेमीफाइनल में रादुकानू और सक्कारी के बीच मुकाबला होगा। दूसरा सेमीफाइनल दूसरी सीड बेलारूस की अर्यना सबालेंका और कनाडा की लैला फर्नांडिज के बीच खेला जाएगा। लैला ने क्वार्टरफाइनल में पांचवीं सीड यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना को 6-3, 3-6, 7-6 से और सबालेंका ने आठवीं सीड चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा को 6-1, 6-4 से पराजित किया।

शिखर को भी टीम में रखा जा सकता थाः प्रसाद

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम चुनी जिसमें सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का नाम नहीं था। उनकी जगह युवा बल्लेबाज ईशान किशन को टीम में शामिल किया गया। बीसीसीआई के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने गुरुवार को कहा कि धवन जिस फॉर्म में थे, उसे देखते हुए उन्होंने सोचा कि अनुभवी सलामी बल्लेबाज के पास एक मौका था टी20 विश्व कप में खेलने का जो कि 17 अक्टूबर से यूएई और ओमान में खेला जाएगा। एमएसके ने कहा, यह एक संतुलित टीम है। हाल ही में शिखर जिस फॉर्म में थे, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि उनके पास एक अवसर था। लेकिन आप एक अलग पक्ष को देखे तो किशन को एक फ्लोटर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है और वह उस जगह के हकदार हैं, लेकिन कहीं न कहीं मुझे लगा कि शिखर को भी टीम में रखा जा सकता था। क्योंकि वह बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। 46 वर्षीय एमएसके ने 2016 से 2020 तक मुख्य राष्ट्रीय चयनकर्ता के रूप में काम किया था। महेंद्र सिंह धोनी को टीम में मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ टीम के मेंटर के रूप में शामिल करने के निर्णय से भी एमएसके खुश हैं। एमएसके ने कहा पूर्व कप्तान धोनी टीम में सभी को जानते हैं। एमएसके भी रविचंद्रन अश्विन, राहुल चाहर, अक्षर पटेल वरुण चक्रवर्ती और रवींद्र जडेजा को विश्व टी20 के लिए चुने गए स्पिनरों के पक्ष में हैं। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि युजवेंद्र चहल के बजाय एक अनुभवी अश्विन और इन- फार्म चाहर को चुनना सही निर्णय था। एमएसके ने चहल के बारे में कहा, वह वास्तव में निराश होंगे क्योंकि वह एक टी20 विशेषज्ञ रहे हैं।

इंग्लैंड की विश्व कप टीम में रूट को जगह नहीं

मिल्स की चार साल बाद वापसी

लंदन । भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में शानदार बल्लेबाजी कर रहे कप्तान जो रूट को इंग्लैंड की टी-20 विश्व कप टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि इयोन मोर्गन को फिर से टीम की कमान सौंपी गई है।इस बीच तेज गेंदबाज टाइमल मिल्स ने लंबे अरसे बाद सफेद गेंद टीम में वापसी की है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड की ओर से टी-20 विश्व कप के लिए गुरुवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम में उन्हें जगह मिली है। मिल्स ने आखिरी बार 2018 में लॉर्ड्स में विश्व एकादश की तरफ से वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला था, जबकि इंग्लैंड के लिए वह आखिरी बार फरवरी 2017 में बेंगलुरु में भारत के खिलाफ टी-20 मैच खेले थे। इंग्लैंड पुरुष टीम के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने कहा, इस सीजन टी-20 ब्लास्ट और द हंड्रेड में मिल्स के प्रदर्शन ने टीम में उनकी जगह पक्की की है। टाइमल मिल्स चयन के योग्य हैं और पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। इस समर सत्र में उनके पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल होने के लिए पूरा कौशल है।

इंग्लैंड की टीम

इयोन मोर्गन (कप्तान), मोईन अली, जॉनी बेयरस्टो, सैम बिलिंग्स, जोस बटलर, सैम करेन, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, टाइमल मिल्स, आदिल राशिद, जेसन रॉय, डेविड विली, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

रिजर्व खिलाड़ी : टॉम करेन, लियाम डासन, जेम्स विंस।

महाराज दक्षिण अफ्रीकी टी-20 विश्वकप टीम में शामिल

डू प्लेसिस, ताहिर और मॉरिस बाहर

जोहान्सबर्ग । टी-20 क्रिकेट में अनकैप्ड खिलाड़ी केशव महाराज को दक्षिण अफ्रीका की टी-20 विश्व कप टीम में चुना गया है, जबकि अनुभवी एवं सीनियर खिलाड़ी फाफ डु प्लेसिस, क्रिस मॉरिस और इमरान ताहिर बाहर हो गए हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की ओर से गुरुवार को टी-20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है, जिसमें चयनकर्ताओं ने केशव महाराज सहित तीन स्पिनरों को चुना है। दुनिया के नंबर एक टी-20 गेंदबाज तबरेज शम्सी और ब्योर्न फोर्टुइन दो अन्य स्पिनर हैं। लेफ्ट आर्म स्पिनर जॉर्ज लिंडे के रूप में टीम में तीसरा स्पिनर भी हैं, जो रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल होंगे। टेम्बा बावुमा को फिर से टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जिनके टूर्नामेंट से पर्याप्त समय पहले अंगूठे की चोट से उबरने की उम्मीद है। बावुमा की गैर मौजूदगी में श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज में केशव महाराज अपना टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करेंगे। उन्होंने अभी तक 36 टेस्ट और 14 वनडे मैच खेले हैं। 104 टी-20 मुकाबलों में उन्होंने 6.62 की इकॉनमी के साथ 83 विकेट लिए हैं। क्विंटन डी कॉक, डेविड मिलर, एडन मार्करम और हेनरिक क्लासेन जैसे इन फार्म बल्लेबाजों की मौजूदगी से दक्षिण अफ्रीका का बल्लेबाजी विभाग मजबूत लग रहा है। टीम में ऑल राउंडर वियान मल्डर भी शामिल हैं जो बल्लेबाजी लाइन अप को और मजबूती देंगे। इसके अलावा तेज गेंदबाजी के मोर्चे पर कैगिसो रबादा, लुंगी एनगिदी और एनरिक नॉर्त्जे उपलब्ध हैं।

दक्षिण अफ्रीकाई टीम : टेम्बा बावुमा, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडन मार्करम, डेविड मिलर, वियान मल्डर, लुंगी एनगिदी, एनरिक नॉर्त्जे, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबादा, तबरेज शम्सी, रासी वान डर डुसेन।

रिजर्व खिलाड़ी : जॉर्ज लिंडे, एंडिले फेहलुकवेओ, लिजाद विलियम्स।

जापान दिसंबर में नहीं करेगा फीफा क्लब विश्वकप की मेजबानी

टोक्यो। जापान ने कोरोना महामारी के कारण दिसंबर 2021 में फीफा क्लब विश्व कप की मेजबानी न करने का फैसला किया है। जापान फुटबॉल संघ जेएफए ने गुरुवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसने फीफा के साथ एक समझौते के तहत टूर्नामेंट की मेजबानी छोड़ दी है। टूर्नामेंट के नए मेजबान को लेकर घोषणा बाद में की जाएगी।

पीएम भारतीय पैरालंपिक दल से मिले

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरवार को अपने आवास पर टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों के भारतीय दल की मेजबानी की। इस दल में पैरा-एथलीटों के साथ-साथ उनके कोच भी शामिल थे।प्रधानमंत्री ने पूरे दल के साथ सुस्पष्ट या बेबाक और अनौपचारिक संवाद किया।

प्रधानमंत्री ने इन खेलों में उनके रिकॉर्ड तोड़ ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी अनूठी उपलब्धियों से देश भर में समस्त खेल समुदाय का मनोबल काफी ऊंचा होगाऔर नवोदित खिलाड़ी विभिन्न खेलों में पूरे जज्बे के साथ भाग लेने हेतु आगे आने के लिए प्रोत्साहित होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके अद्भुत प्रदर्शन से देश भर में खेलों के बारे में जागरूकता कई गुना बढ़ गई है। श्री मोदी ने विशेष रूप से दल के अदम्य भावना और मजबूत इच्छा-शक्ति की प्रशंसा करते हुए कहा कि पैरा-एथलीटों ने अपने जीवन में जिन बाधाओं को पार किया है, उन्हें देखते हुए यह प्रदर्शन प्रशंसनीय है। जो खिलाड़ी पदक नहीं जीत सके, उनका मनोबल बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक सच्चा खिलाड़ी हार या जीत से प्रभावित हुए बिना आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने कहा कि वे देश के राजदूत हैं और उन्होंने अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से विश्व मंच पर राष्ट्र का मान बढ़ाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने'तपस्या, पुरुषार्थ और पराक्रम'के जरिए पैरा-एथलीटों ने लोगों का उनके प्रति नजरिया बदल दिया है।

बांग्लादेश की टी-20 विश्वकप टीम घोषित

ढाका। युवाओं और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन के साथ बांग्लादेश ने गुरुवार को आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। टीम की कमान महमूदुल्लाह ही संभालेंगे और उनके साथ अनुभवी खिलाड़ी शाकिब अल हसन, सौम्य सरकार और मुशफिकुर रहीम भी फ्रंट से टीम का नेतृत्व करेंगे। वहीं तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान एक बार फिर बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में छाप छोड़ना चाहेंगे। रहमान ने 2016 टी-20 विश्व कप में 16.6 की औसत से नौ विकेट लिए थे, जबकि 2019 विश्व कप वनडे में वह तीसरे सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे।टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे, क्योंकि उन्होंने अगली पीढ़ी को उभरने का मौका देने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि तमीम टी-20 विशप कप के 2016 के संस्करण में 73.75 की औसत के साथ 295 रन बना कर शीर्ष रन-स्कोरर रहे थे। उनकी जगह टीम में सलामी बल्लेबाज नईम शेख और लिटन दास प्रभावशाली शुरुआत देना चाहेंगे।

बांग्लादेश की टीम : महमूदुल्लाह (कप्तान), नईम शेख, सौम्य सरकार, लिटन दास, शाकिब अल हसन, मुशफिकुर रहीम, अफिफ हुसैन, नूरुल हसन सोहन, मेहदी हसन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, शैफ उद्दीन, शमीम हुसैन।

रिजर्व खिलाड़ी : रुबेल हुसैन, अमीनुल इस्लाम बिप्लब।

गावस्कर ने धोनी को मेंटर बनाने की सराहना की

उम्मीद जताई कि शास्त्री से टकराव नहीं होगा

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि मेंटर के तौर पर महेंद्र सिंह धोनी की वापसी से भारतीय टीम का मनोबल बढ़ेगा, लेकिन अगर उनके और मुख्य कोच रवि शास्त्री के बीच रणनीतिगत मतभेद हुए तो टी20 विश्व कप में टीम पर इसका विपरीत असर पड़ सकता है। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके धोनी को बुधवार को यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम का मेंटर बनाया गया। गावस्कर ने कहा, धोनी की नियुक्ति से भारतीय टीम का मनोबल बढ़ेगा। भारत ने उनकी कप्तानी में 2011 विश्व कप और 2007 टी20 विश्व कप जीते हैं। उनके पास अपार अनुभव है और वह सब कुछ जानते हैं। लेकिन अगर टीम चयन या रणनीति को लेकर रवि और धोनी में मतभेद हुए तो इसका उलटा असर भी हो सकता ह । मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा नहीं हो। रवि और धोनी समान रूप से सोचते हैं तो भारत को इसका बहुत फायदा होगा। उन्होंने बताया कि 2004 में सलाहकार के तौर पर उनकी नियुक्ति ने तत्कालीन कोच जॉन राइड के जेहन में असुरक्षा भर दी थी।

दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग दुबई पहुंचे

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग यूएई में इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2021 के दूसरे चरण से पहले गुरुवार को दुबई पहुंचे। फ्रेंचाइजी ने ट्विटर पर लिखा, बॉस आ गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान 2018 से दिल्ली के मुख्य कोच हैं। दिल्ली के साथ पोंटिंग का आईपीएल में यह चौथा सीजन है। उनके कोचिंग में दिल्ली 2019 में तीसरे स्थान पर रही जबकि 2020 में उपविजेता बनी। 2018 में तालिका में सबसे नीचे रही थी। इससे पहले गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने बुधवार को टीम होटल पहुंचे थे, जबकि सहायक कोच मोहम्मद कैफ मंगलवार को दुबई पहुंचे। अभ्यास सत्र के लिए मैदान पर उतरने से पहले तीनों कोच छह दिनों के क्वारंटाइन में रहेंगे। दिल्ली कैपिटल्स के घरेलू खिलाड़ी और बाकी सहयोगी स्टाफ पहले ही यूएई आ चुके थे और 29 अगस्त से क्वारंटाइन पूरा करने के बाद अभ्यास करना शुरू कर दिया था। कंधे की चोट से वापसी कर रहे श्रेयस अय्यर 14 अगस्त को दुबई पहुंचे थे और बल्लेबाजी कोच प्रवीण आमरे के साथ अभ्यास कर रहे थे। दिल्ली आठ मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। वे 22 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ अपने आईपीएल 2021 अभियान को फिर से शुरू करेंगे।

शर्मनाक बैटिंग के टूटे रिकॉर्ड! 17 पर सिमटी पूरी टीम, बल्ले से केवल 7 रन बने

क्रिकेट के मैदान पर रोचक मुकाबले देखने को मिलते हैं. यहां पर एक टीम रन बनाने के लिए जोर लगाती है तो दूसरी टीम उसे रोकने की कोशिश करती है. इस तरह के मुकाबलों में फिर दिलचस्प नतीजे निकलते हैं. ऐसा ही नतीजा आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप के क्वालिफायर मुकाबलों के तहत 9 सितंबर को देखने को मिला. अफ्रीका रीजन के मुकाबलों में मोजाम्बिक महिला क्रिकेट टीम 17 रन के मामूली स्कोर पर निपट गई. उसकी यह हालत रवांडा महिला क्रिकेट टीम ने की. 20 ओवरों के मुकाबले में मोजाम्बिक की टीम ने 7.3 ओवर बैटिंग की और 10 रन एक्स्ट्रा से आने के बाद भी 17 रन तक ही पहुंच सकी. रवांडा ने लक्ष्य को केवल 13 गेंदों में हासिल कर लिया. उसने 10 विकेट से जबरदस्त जीत हासिल की.

महिला और पुरुष क्रिकेट में यह सबसे छोटी पारी है जब सभी बल्लेबाज आउट हो गए. मोजाम्बिक की महिला टीम ने इंटरनेशनल टी20 मुकाबलों में सबसे छोटे स्कोर का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया. उन्होंने तुर्की के 21 रन पर सिमटने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा. तुर्की की महिला टीम 2019 में चैक रिपब्लिक के सामने 21 रन पर सिमट गई थी. टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए मोजाम्बिक ने मैच की पहली ही गेंद पर विकेट गंवा दिया. कप्तान ओल्गा मात्सोलो बोल्ड हो गई. इसके बाद तो विकेटों के गिरने का ऐसा सिलसिला चला कि चुटकियों के अंदर पारी ही समाप्त हो गई.

मोजाम्बिक के लिए नौवें नंबर की बल्लेबाज ओफेलिया मोयन ने सबसे ज्यादा तीन रन बनाए. उनके अलावा पाल्मिरा क्यूनिका, अल्सिंडा कोसा, इसाबेल चूमा और रोसालिया हेयोंग ही ऐसी बल्लेबाज रहीं जिन्होंने खाता खोला. मोजाम्बिक की छह बल्लेबाज खाता नहीं खोल पाईं. अगर रवांडा की महिलाओं ने एक्स्ट्रा रन नहीं दिए होते तो हालत काफी खराब होती. रवांडा की ओर से एक लेग बाय, दो नो बॉल और सात वाइड फेंकी गई. उसके लिए इमाक्यूल मुहावेनिमाना सबसे कामयाब रहीं जिन्होंने छह रन देकर चार विकेट लिए. लक्ष्य की पीछा करते हुए रवांडा ने 2.1 ओवर यानी 13 गेंद में लक्ष्य हासिल कर लिया. उसकी ओर से दो चौके लगे.

जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को 38 रन से हराया

लंबे समय बाद वनडे मैच में जिम्बाब्वे को मिली जीत

नई दिल्ली । जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले एकदिवसीय मुकाबले में बेलफास्ट में जिम्बाब्वे ने पहले वनडे मैच में मेजबान आयरलैंड को 38 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

लंबे समय बाद वनडे मैचों में जिम्बाब्वे को जीत मिली है। ये जीत टीम को आगे के मैचों के लिए जीत के लिए प्रेरित करेगी। जिम्बाब्वे ने पहले खेलेत हुए पूरे 50 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 266 रनों का अच्छा स्कोर खड़ा किया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम 48.4 ओवरों में 228 रनों पर आलआउट हो गई। 44 गेंदों पर 59 रनों की नाबाद ताबड़तोड़ पारी खेलने वाले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को मैन आफ द मैच चुना गया। उन्होंने इसके साथ ही बेहद किफायती गेंदबाजी भी की। चार ओवर में मात्र 19 रन दिये। टीम के अनुभवी बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर ने 49 रनों की पारी खेली। टेलर को भारतीय मूल के आयरिश गेंदबाज सिमी सिंह ने आउट किया। जिम्बाब्वे की टीम में कप्तान क्रेग इर्विन ने सर्वाधिक 64 रनों की पारी खेली। इर्विन ने 96 गेंदों का सामना करते हुए सात चौके लगाए। वहीं सीन विलियम्स ने 33 रनों का योगदान दिया। आयरलैंड की ओर से सर्वाधिक 75 रनों की पारी ओपनर बल्लेबाज विलियम पोर्टफिल्ड ने खेली। वहीं हैरी टेक्टर ने 55 गेंदों पर 50 रनों की पारी का योगदान दिया। जिम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजरबानी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए।